इब्रानियों, अध्याय एक

और देने के लिए कुछ—कुछ जरा सा... मैं सोचता हूँ कि मेरे लिए केवल वचन से बेहतर कुछ भी नहीं है। "विश्वास सुनने से और सुनना परमेश्वर के वचन से होता है।"

2 बुधवार को, और हो सकता है रविवार को, रविवार की सभाओं में से एक, पास्टर को थोड़ा सा आराम देते हुए, जिसके वो बिल्कुल हक़दार हैं, और सोचा कि हो सकता है हम बाइबल में बस एक पुस्तक को ले लेंगे। हम ऐसा करते आये है, और कभी–कभी इस पर एक वर्ष तक बने रहते हैं।

3 मुझे याद है एक बार हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पर पूरे एक वर्ष तक बने रहे। लेकिन, ओह, प्रभु, जो चीजें हमने सीखीं, और ये कितना अद्भुत था! उसके बाद हम पीछे जाकर और हमने दानिय्येल की पुस्तक को लिया, या उत्पत्ति की पुस्तक को, मेरा मतलब निर्गमन, और बस इसे अध्याय दर अध्याय लेते है, और यह बस पूरी बाइबल को एक साथ जोड़ता है। ओह, मैं बस ऐसा पसंद करता हूँ!

4 कुछ समय बाद, हम इसे ले लेंगे... यदि प्रभु आशीष देता रहे और हम आगे बढ़ते रहेंगे, हम यहां कुछ वास्तविक गहरी चीजों के अंदर जायेंगे, बहुत ही गहरी। और हम तब वचनों में से होते हुए, इसके साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाएंगे।

5 और मुझे वचन को वचन के साथ मिलाना अच्छा लगता है। इसी तरह से इसे होना अवश्य है। यह बस एक सबसे खूबसूरत तस्वीर होती है। और इस पुस्तक में जिसका हम अध्ययन कर रहे हैं, हम इसमें प्रवेश करेंगे, ओह, उद्धार, और दैविक चंगाई, और अद्भुत काम, और दया। और, ओह, यहाँ इसमें हर एक बात आती है।

6 और हो सकता है जब मैं ऐसे स्थान पर पहुँच जाऊँ जहाँ मुझे सभाओं में जाना होता है... मैं कभी भी नहीं जानता हूँ कि मुझे कब एक सभा में जाना होगा, एक सभा के लिए बुलाया जाये, क्योंकि मेरे पास कुछ भी तैयारी नहीं होती है जब तक कि मुझे कोई काम करने की अगुवाही महसूस ना हो। और यह हो सकता है सुबह से पहले हो, मैं हो सकता है कैलिफोर्निया के लिए उड़ान भरूं, मेन शहर जाने के लिए या कहीं और, जहां वह मुझे बुलाएगा।

यही कारण है कि मैं बडी, लंबी यात्रा के कार्यक्रम निर्धारित नहीं करता, क्योंकि मैं ऐसा नहीं कर सकता। मेरी सेवकाई इस तरह से नहीं बनी है, और ये बस बिल्कुल अलग है।

7 और अब मैं बस थोड़ा आराम करने के लिए घर आया हूं। मेरा इस अंतिम सभा में बीस पाऊंड वजन कम हुआ है। और भाई मर्सिएर और भाई गोआड कुछ समय पहले वहां पर थे, और कहा, "भाई ब्रंहम, आप जो करते हो मैंने इस बात को ध्यान दिया है। आप इसमें अपना पूरा ह्रदय लगा देते है।"

8 मैंने कहा, "यही वो एकमात्र तरीका है जिससे आप प्रभु के लिए सही तरह से कार्य कर सकते हैं, कि वो हर एक चीज जो आपके पास है उसे ठीक मसीह के लिए सबसे आगे रखना है; आपकी पूरी शक्ति, आपका सम्पूर्ण प्राण, आपका पूरा ह्रदय, आपका सारा मन, वह सब कुछ जो आपके पास है।" जब आप कुछ भी कर रहे होते है, तो उसे अच्छे से करें या तो बिल्कुल न करें, देखो, बस उसे ऐसे ही छोड़ दें। यदि आप एक मसीही बनने जा रहे हैं, तो जो कुछ भी आपके पास है उसे मसीह में डाल दें, जो कि, आपका समय, आपकी प्रतिभा, आपकी हर चीज है।

9 मैं अभी इस युवा व्यक्ति की ओर देख रहा हूं। वह आपकी पत्नी है, भाई बर्न्स, वो है, जो वह वहाँ पर बजा रही थी, और गा रही थी, वह युवा जोड़ा। और—और यह एक पियानो नहीं है, न ही यह एक ऑर्गन है, लेकिन यह किसी प्रकार का एक वाध्य है, वे इसके तारो को बजाते है और इसे उठाते हैं, और प्रभु के लिये कुछ तो करते हैं। हो सकता है कि आप ऐसा कर सकते है, और गा सकते है, ऐसे ही प्राणों को जीत सकते है। कुछ तो करें, कोई फर्क नहीं पड़ता। यदि आप—आप सीटी बजा सकते हैं, ठीक है, सीटी बजाये। बस कुछ तो करे। बस गवाही दें या परमेश्वर के राज्य के लिए कुछ तो करें। आपके पास जो कुछ भी है, उसे परमेश्वर की सेवा में उपयोग करें।

10 अब, हम बहुत ज्यादा समय तक रहने की कोशिश नहीं करेंगे, क्योंकि मैं जानता हूं कि आप काम करते हैं। आपको जल्दी उठना होता है। और मैं हर सुबह गिलहरी का शिकार करने जाता हूँ। मैं आपको बस सच्चाई को बताता हूँ। यही है जो मैं कर रहा हूँ। इसलिए मैं घर आता हूं, जिससे कि थोड़ा आराम करूं। और सो मैं लगभग चार बजे उठ जाता हूँ, और बाहर

जंगल में जाता हूँ और, तो, थोड़ा शिकार करके और सोने जाता हूँ। और मेरा उसमें से कुछ वजन बढ़ रहा है, सो कुछ समय बाद मैं विश्राम को लूँगा, यदि आप... प्रभु की इच्छा हुई तो। और सब कुछ ठीक है।

11 तो ठीक है, अब, हम आपकी बाईबिल की ओर जायेंगे। मैं चाहता हूँ कि आप हर रात अपनी बाइबल को लाये, कि आप... जो आप कर सकते है। यदि किसी को कुछ आवश्यकता है, कोई तो पढने के साथ अनुसरण करना चाहता है, हमारे पास यहां कुछ बाइबल है, हमारे पास... कुछ संचालक भाई उन्हें आप तक पहुँचाएंगे। किसी को चाहिए? तो, केवल अपने हाथ को ऊपर उठाये।

12 सोचता हूँ यदि भाई... डॉक्, यहां आकर और इन बाइबलों को लेंगे। आप और भाई बर्न्स वहाँ पास ही खड़े हैं। क्या यह ठीक है, बर्न्स? मैंने उसे कहते सुना... [भाई कहते हैं, "कॉनराड।"—सम्पा।] क्या? ["कॉनराड।"] कॉनराड। मैंने उसे बुलाया... मुझे हो सकता है सुनने में थोड़ी दिक्कत हो रही है, भाई नेविल। भला मैंने कैसे बर्न्स के नाम को पुकार लिया? मैं उस व्यक्ति का चेहरा जानता हूं, और मैं बस नहीं ले सका, उसका नाम नहीं ले पाया।

13 और आप जानते हैं, जैसे–जैसे आप थोड़े बूढ़े होते जाते हैं, मैं एक बात को देखता हूँ, मेरे लिए इस बाइबल को पढ़ना कठिन हो रहा है। और मैं बस सोचने से भी घृणा करता हूँ कि चश्मा पहनकर, बाइबल को पढ़ूँ।

14 लेकिन, यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, मैंने सोचा कि मैं अंधा हो रहा हूँ। और मैं सैम से मिलने गया। और सैम ने कहा, "बिल, मैं नहीं जानता।" कहा, "मैं अब आपको किसी विशेषज्ञ से मिलने का समय तय करवाता हूँ।"

15 मैं लुइसविले में गया। यह अवश्य ही प्रभु की इच्छा रही होगी। कोई प्रसिद्ध विशेषज्ञ था; मैं अब उसका नाम भूल गया हूं। लेकिन उसने मेरी किताब पढ़ी थी। और उसने कहा, "यदि आप कभी वापस अफ्रीका जाते हैं, तो मैं आपके साथ जाना चाहता हूं।" उसने कहा, "और यदि आप... वे अफ्रीकी लोग आपसे प्रेम करते हैं।" और कहा, "वे बहुत अंधविश्वासी हैं, वे विशेषकर चाकू से काटने जाते है। सो," कहा, "मैं अपने जीवन के छह महीने मोतियाबिंद और इत्यादि के ऑपरेशन के लिए देना चाहता हूं... उस मिशन में।" और कहा, "यदि हम एक साथ जा सकें, और आप इस तरह से उनके समर्थन को जीत सकें," कहा, "उसके बाद यदि उनका

मोतियाबिंद और आंखों का काम करना पड़ता है," कहा, "तो मैं इसे तब छह महीने के लिए मुफ्त में करना पसंद करूंगा।" और मैं भूल गया कि आपको उस डॉक्टर के साथ भेंट के लिए कितने लंबे तक इंतजार करना होता है।

16 और हम एक छोटे से कमरे में बैठे हुए थे और उसमें छोटी सी सी—छोटी सी लाल बत्ती वहां अँधेरे कमरे में पीछे आ रही थी। क्योंकि, मैं उन शब्दों को पढ़ सकता था। इसमें बीस–बीस लिखा था। मैं इसे किसी भी तरह से पढ़ सकता था। और उसने पन्द्रह–पंद्रह की फोटो डाली, और मैं उसे पढ़ सका। और इसे दस–दस पर रखा, और मैं इसे पढ़ सका। उसने कहा, "खैर, आपकी आंखों में ज्यादा खराबी नहीं है।"

17 सो उसके पास एक छोटी दूरबीन थी। उसने वहां उसके पीछे एक छोटा सा यंत्र रखा, एक छोटी सी चीज, आप जानते होंगे। वे पुरानी दूरबीनें, कितने लोगो को वे कभी याद है? हम उनमें से होकर देखा करते थे, इस तरह से तस्वीरों को देखा करते थे। और उसने कहा, "क्या आप इसे पढ़ सकते हैं? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

उसने कहा, "इसे मेरे लिए पढ़ें।"

18 इसका एक. ओह, लगभग *इस* तरह से एक पूरा परिच्छेद था। मैंने इसे पढ़ना शुरू किया; उसने उसे *इस* तरह ऊपर खींचना आरंभ किया, धीमे और धीमे करते हुए। उसने लगभग *इस* तरह किया, मैं रुक गया। उसने कहा, "मैं आपको एक बात बता सकता हूं, आपकी उम्र चालीस के पार हो गयी है।"

मैंने कहा, "जी हाँ, यह सही है, मैंने इसे बहुत पहले पार कर लिया है।"

19 उसने कहा, "आपने इसे कैसे किया? " उसने कहा, "मनुष्य की आँख, स्वाभाविक रूप से, जब आप चालीस वर्ष के हो जाते हैं, जैसे आपके बाल सफेद होने लगते हैं, और इत्यादि, आँखों की पुतलियां सपाट हो जाती है।" कहा, "अब, यदि आप लंबे समय तक जीते हैं, यह फिर से वापस आ जाएगी।" उसने कहा, "वे इसे कहते हैं, वो दूसरी दृष्टि। लेकिन," कहा, "एक मनुष्य, लगभग चालीस वर्ष, वे असल में... " कहा, "उनकी आँखों में कुछ भी गलत नहीं होता है।"

20 मैं—मैं एक बाल को देख सकता हूँ यदि ये फर्श पर पड़ा होता है, ये मुझसे दूर होता है। लेकिन मेरे नजदीक होने पर... और उसने कहा, "अब, आप अपनी बाइबल को पढ़ें," कहा, "आप इसे अपने से दूर करे।" कहा, "थोड़ी देर के बाद, आपका हाथ उतना लम्बा नहीं होगा, आप इसे इतनी दूर तक नहीं लेकर जाये कि आप इसे पढ़ भी ना सके—सकें।"

21 और इसलिए उसने मेरे लिए एक जोड़ी चश्मा बना कर दिया, और कांच के नीचे के हिस्से से आप इससे पढ़ सकते है। उसने कहा, "अब, आपके पुलपिट में... " उसने सोचा कि मैं यहाँ के प्रतिष्ठित प्रचारकों में से एक हूँ, आप जानते हैं। और इसलिए कहा कि... आप... इस चश्मे के कांच का ऊपरी भाग जो बस सामान्य कांच है, ये केवल नियमित कांच है। और नीचे के भाग में किसी प्रकार का इसमें सान चढा हुआ है, जिससे कि मैं नजदीक से पढ़ सकता हूं, आप जानते होंगे, *इस* तरह से। सो मैं उन्हें पहनना पसंद नहीं करता हूँ; पर मैं पहनता हूँ।

22 और अब, बाइबल की शिक्षा में, और मेरे पास आज रात नया नियम है। सो ये... मेरे पास कोलिन्स का नया करार है और इसमें अच्छे बड़े अक्षर की छपाई की हुई है। लेकिन अब, जब मैं दूसरे एक में को लेता हूं, मुझे—मुझे उन पुराने दोस्तों के पास जाना पड सकता है, और—और एक प्रकार से उनके जरिये से पढ़ना पडे। लेकिन जो भी हो, मैं—मैं खुश हूँ कि मैंने कुछ तो पा लिया है मैं—मैं अभी भी पढ़ सकता हूँ। और—और—और जो कुछ मेरे पास है, मैं परमेश्वर की महिमा के लिए हर एक को दूंगा उस हर एक चीज को जो मैं दे सकता हूं, आशा करता हूँ कि वह उस उम्र के चिन्ह को हटा देगा। मैं उससे मेरी उम्र को दूर करने के लिए नहीं मांग सकता हूँ। मैं... जी हाँ, यही केवल एक चीज है जो हम सभी को जाना है। हमें इसमें से होकर जाना है। और मैं जानता हूँ कि मैं हमेशा की तरह छोटा लड़का नहीं हूँ, यहाँ मंच पर खड़ा हूँ। मैं अड़तालीस वर्ष का हूँ। और जरा सोचो, दो और वर्ष, तब पचास वर्ष की उम्र का हो जाऊंगा, भाई माइक।

23 ओह, शायद ही इस पर विश्वास कर सकता हूँ! मैं बस... मैं कभी नहीं जान पाया कि मैं बीस वर्ष पार कर चूका था लगभग दो वर्ष पहले तक। ये सही है। ये सही है। केवल मैं... मैं इसे विश्वास नहीं कर पाता हूँ। और फिर भी मैं—मैं... मेरे लिए तब तक विश्वास करना मुश्किल था जब तक

मैंने आइने में नहीं देख लिया, और उसके बाद तब मैं—मैं जान गया। लेकिन—लेकिन ये केवल दिखने के लिए ऐसा है, मैं बस उतना ही अच्छा महसूस करता हूँ जितना मैंने अपने जीवन में हमेशा महसूस किया था, और मैं उसके लिए भी आभारी हूं। सारी स्तुति परमेश्वर को मिले।

24 अब, हम इब्रानियों की किताब का अध्ययन कर रहे हैं। ये... ओह, यह बाइबल की सबसे गहरी, सबसे मूल्यवान किताबो में से एक है। मैं आपको बताता हूं, यह एक ऐसी किताब है जो वास्तव में... यदि परमेश्वर अनुमति देता है, और हम बस इसके अंदर उतर जायेंगे, मैं विश्वास करता है कि हम सोने से मूल्यवान टुकडो को पाएंगे तब तक के लिए हम बस हर समय परमेश्वर की स्तुति करते रहे। और अब मैं...

25 इब्रानियों की किताब, वास्तव में यह क्या है, इसे संत पौलुस के द्वारा लिखा जाना था, सबसे महान बाइबिल का वर्णन करने वाला, मुझे लगता है, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह को छोड़, संसार में कभी रहा है। और पौलुस अलग कर रहा था... अब, पौलुस एक सच्चा बाइबल का शिक्षक था; यानी पुराने नियम का। उस समय केवल यही किताब लिखी गई थी, जिसे बाइबल कहा जाता है। और वह इब्रानियों को दिखाने की कोशिश कर रहा था, पुराने नियम को अलग करते हुए और पुराने नियम को एक प्रतिछाया या नए की छाया के रूप में दिखा रहा था।

26 ठीक वहां हम एक गोल रेखा को खींच सकते हैं और तीन महीने ठीक वहीं उसी एक विचार पर बने रह सकते हैं, ठीक वहीं। सीधे पीछे जाकर, यदि हम अभी अपनी बाईबिल को पलट सकते हैं, तो निश्चित रूप से हम इब्रानियों पर हैं, 1ला अध्याय। लेकिन यदि हम प्रकाशितवाक्य, 12वें अध्याय की ओर जाए, तो आप इसे पूरी तरह से फिर से देखेंगे, किस तरह से प्रतिछाया है। यदि... आप जिनके पास आपकी कलम हैं और आप वचनों को लिखने जा रहे हैं। इब्रानी में–...

27 प्रकाशितवाक्य 11 में, हम देखते हैं कि यूहन्ना ने पतमुस टापू पर एक स्त्री को आकाश में खड़ा देखा, और उसके सिर पर सूर्य और पैरों तले चन्द्रमा था। और वह स्त्री प्रसव पीड़ा में थी और एक बालक के साथ, जिसका जन्म होना था। स्त्री ने एक पुरुष बालक को जन्म दिया। लाल अजगर खड़ा था, बच्चे के जन्म होते ही उसे खा जाने के लिए। और वो—वो बालक स्वर्ग में उठा लिया गया, और वो स्त्री जंगल के अंदर भाग गई

जहां उसका कुछ समय के लिए, और आधे समय, या समय के अलगाव के लिए पोषित किया गया था।

28 अब, उस स्त्री ने कलीसिया का प्रतिनिधित्व किया, और जिस बालक को वह लेकर आई वह मसीह था। उसके पैरो के नीचे का चंद्रमा वो व्यवस्था थी, उसके सिर पर सूर्य अनुग्रह था। उसके मुकुट में बारह तारे थे वे बारह प्रेरित थे। और वहीं है जहाँ, जिस पर... बारह प्रेरित महिमा या नए नियम का मुकुट थे। समझे? "क्योंकि जो बुनियाद रखी जा चुकी है, उसके अलावा और कोई बुनियाद नहीं रखी जा सकती है।" समझे? यह, बुनियाद, वो—वो नया नियम, प्रेरित, प्रेरितों का सिद्धांत, और इत्यादि, नए नियम का नीव डालने वाला मुकुट है। और फिर में...

29 चन्द्रमा सूर्य की एक छाया है। सूर्य अपने उजियाले को केवल प्रतिबिंबत करता है जब ये धरती के पीछे होता है। और चन्द्रमा उजियाले को देता है, रात में चलने के लिए। और हमारे पास यहाँ क्या ही सुंदर तस्वीर है, एक और सुंदर तस्वीर: सूर्य मसीह का प्रतिनिधित्व करता है; वो—वो चंद्रमा कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है। वे बस पति–पत्नी के जैसे ही हैं। और मसीह की अनुपस्थिति में, कलीसिया सुसमाचार के हल्के उजियाले को प्रतिबिम्बित करती है। और यह—यह चलने के लिए उजियाला है जब तक पुत्र फिर से नहीं जी उठता, तब कलीसिया और पुत्र, चन्द्रमा और सूर्य एक साथ मिश्रित हो जाते हैं। समझे? चन्द्रमा सूर्य का एक भाग है, और कलीसिया मसीह का एक भाग है। और जबकि मसीह की अनुपस्थिति में, कलीसिया उसके उजियाले को प्रतिबिंब करती है। और फिर उतना ही निश्चित रूप से हम चाँद को चमकते हुए देख सकते हैं, ये जानता है कि सूरज कहीं तो चमक रहा है। और जब तक कलीसिया मसीह के उजियाले को प्रतिबिंबित करती है, ये बताता है मसीह कहीं तो जीवित है। आमीन। इस पर सोचे।

30 अब, व्यवस्था एक अनुग्रह का नमूना था, लेकिन व्यवस्था में बचाने की कोई सामर्थ नहीं थी। व्यवस्था केवल एक... व्यवस्था एक पुलिसकर्मी था। पुलिसकर्मी आपको जेल में डालता है, लेकिन, आप देखिए, आपको जेल से बाहर निकालने में ये अनुग्रह को लेता है। समझे?

31 तो मसीह का लहू, वो सुसमाचार, हमें पाप से छुड़ाता है। व्यवस्था हमें केवल पापी ठहराती है। व्यवस्था ने केवल कहा, "तुम पापी हो। तुम

चोरी नहीं करना। तुम व्यभिचार नहीं करो। तुम झूठी गवाही न देना।" समझे? यह एक पुलिसकर्मी है जो कहता है कि तुम गलत हो और तुम दोषी हो। लेकिन सुसमाचार अच्छी खबर है। मसीह हमें हमारे सारे अपराधों, व्यवस्था के उल्लंघनों से बचाने के लिए मरा। मसीह हमें बाहर निकालने के लिए मरा।

32 अब, पौलुस, जैसे ही परिवर्तित हुआ, उसने कभी किसी सेमिनरी के साथ परामर्श नहीं लिया, ना ही उसने किसी सेवक से परामर्श लिया। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया? वो वहां अरेबिया में गया, और वहां तीन वर्ष तक अरेबिया में रहा। अब, मेरे विचार में, यह है कि...

33 अब, हमने इसे लिया है जिससे इसके बुनियाद को प्राप्त करे, सो हम जानेंगे कि यह कितना महत्वपूर्ण है। और पहला पाठ, आज रात, हम हमारे बुनियाद को लेते हैं।

34 अब, पौलुस क्या ही एक बाइबल का शिक्षक था, क्योंकि उसने उस बड़े, सारे समय के प्रसिद्ध गमलीएल के अधीन शिक्षा प्राप्त की थी। और वह उस समय के सबसे प्रसिद्ध, व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं के महान शिक्षको में से एक था। इसलिए, पौलुस उन चीजो में अच्छी तरह से शिक्षित था।

35 और फिर मैं उसे इस तरह से पसंद करता हूं, यह महान प्रकाशन को, उसके हृदय में ईमानदार होने के नाते, एक हत्यारा, उसने स्तिफनुस की मृत्यु के लिए सहमति दी थी और स्तिफनुस को पत्थरों और ढेले के नीचे मरते हुए देखा था। मैं सोचता हूँ कि यह अवश्य ही पौलुस बगल में रहा होगा जब उसने स्तिफनुस को स्वर्ग की ओर हाथ उठाते हुए देखा, और कहा, "मैं स्वर्ग को खुला देखता हूँ। मैं यीशु को परमेश्वर के दाहिने हाथ पर खड़ा हुआ देखता हूँ।" और उसने कहा, "पिता, उन के विरुद्ध पाप के इस आरोप को ना होने दे।" और वह सो गया।

36 क्या आपने इसे ध्यान दिया? वह कभी भी नहीं मरा। वह सो गया। बस जैसे... मैं ऐसा नहीं सोचता कि उसने कभी एक और पत्थर को महसूस किया। जैसे एक बच्चा अपनी माँ की गोद में सो जाता है, वैसे ही स्तिफनुस परमेश्वर की बाहों में सो गया।

37 पौलुस के विषय में कुछ तो है, जो उसके पास में ही था। उउसके बाद वो, कोई भी व्यक्ति जो दोष के नीचे होता है, वो इससे लड़ने की कोशिश करता, वो महायाजक के पास जाता, और कुछ दस्तावेज को लेता। कहा,

"मैं उन सभी लोगों को गिरफ्तार करूँगा जो यह सब शोर मचा रहे हैं, और उन अधर्मियों को;" जिसे ऐसा समझा जाता था, जिसे आज हम कुछ, "असली कट्टरपंथी," कहेंगे या कुछ इसी तरह से, बहुत अधिक शोर मचाते है और अशांति का कारण होते है। "हम बस वहां पर जाकर और इससे निपट लेंगे।"

38 और वहां वो उसके मार्ग पर, छोटा पुराना... ना ही बड़े–बड़े महामार्ग जैसे हम यात्रा करते हैं। और वे फिलिस्तीन में की सड़कें, बस छोटी–छोटी पगडंडियाँ होती थी, जैसे गाय का रास्ता जो जंगल में से होकर जाता है जहाँ गाय–पशु, और भेड़, और घोड़े, और गदहे, और ऊंट होते है, पहाड़ियों के ऊपर चढ़ते है।

39 और पौलुस, दमिश्क के रास्ते पर था, एक दिन लगभग दोपहर को, एक बड़ा प्रकाश चमकने लगा और उसे जमीन पर गिरा दिया। इसे पौलुस के अलावा किसी ने नहीं देखा। मैं चाहता हूं कि आप इस पर ध्यान दे। और ठीक यहाँ, अब यह व्यक्तिगत नहीं है, लेकिन हम इसकी बुनियाद में आगे बढ़ रहे हैं। जिससे कि आप जान जाए कि वही यीशु...

40 अब, जब वह यहाँ धरती पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास वापस जाता हूं।"

41 अब, जब उसने इस्राएल के संतान का नेतृत्व किया, तो वो आग का स्तंभ था। और वह देहधारी हुआ, उसके बाद वो उसी अग्नि के स्तंभ पर वापस लौट आया। और जब वो दमिश्क के रास्ते में पौलुस से मिला, तो वह अग्नि का वही स्तंभ था, वो प्रकाश, देखो, एक बड़ा प्रकाश। और पौलुस ने कहा, "ये कौन है जिसे मैं सताता हूँ?"

42 उसने कहा, "मैं यीशु हूँ, जिसे तुम सताते हो," प्रकाश। ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है?

43 और यहाँ है वो, आज रात, ठीक यहाँ हमारे साथ। उसका चित्र ठीक यहीं पर लिया गया था, वही चीज, देखो, अग्नि का स्तंभ, उजियाला, ठीक वैसा ही जैसा वो था, "कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

44 अब जो लोग उसके साथ थे, उन्होंने उस उजियाले को नहीं देखा, लेकिन ये वहां पर बिल्कुल वैसा ही था। उसी परिणाम को देता हैं।

45 अब, क्या ऐसा संभव है कि—कि कोई एक इस भवन में मसीह को देख सके और कोई उसे न देख पाये? निश्चय ही। ऐसा वहां पर हुआ।

46 एक रात को ऐसा भी हुआ जब पतरस जेल में था। और वो उजियाला कारावास के अंदर आया, और पतरस को छू लिया, और वो अंदर के पहरेदार, और बाहरी पहरेदार के पास से होकर चला, और फाटक, मुख्य फाटक, और नगर फाटक के पास से चलता गया। पतरस ने कहा, "मैं अवश्य ही सपना देख रहा हूँ।" लेकिन उसने यहाँ–वहां देखा, लेकिन उजियाला चला गया था; मसीह, वो अनन्त, सनातन का उजियाला। वहां है वो। अब, वहां नीचे मार्ग पर...

47 और देखो, एक और बात, यदि हम इस पर बात करें, तो अभी मेरे मन में बात आयी है। लेकिन वो ज्ञानी पुरुष जिन्होंने तारे का अनुसरण किया, वहां दूर पूर्वी देश, भारत से होते हुए, महीनो–महीनो, घाटियों और रेगिस्तानों में से होते हुए आ रहे थे (वेधशालाओं के ऊपर से गुजरा, और उन्होंने रात का समय तारों को देखते हुए निकाला) और ना ही कोई भी इतिहासकार या किसी ने भी कभी उस तारे को देखने का उल्लेख नहीं किया, सिवाय उन ज्ञानी पुरुषो के। इसे देखना यही सिर्फ उनके लिए मतलब रखता था।

48 सो आप उन चीजों को देख सकते हैं जो हो सकता है दूसरे लोग नहीं देख सकते हो। आपके लिए, यह एक वास्तविकता है। उसके लिए, वे नहीं समझते हैं। बस एक मत परिवर्तित होने के जैसे; आप मत परिवर्तित हो सकते हैं और परमेश्वर की आशीषों का आनंद ले सकते हैं, बस—बस परमेश्वर की आशीषो को पी सकते है। और अगला व्यक्ति, आपके पास बैठा होता है, "मैं तो कुछ भी नहीं देखता हूँ।" समझे? देखा? ऐसा ही है। "मैं इसे बिलकुल समझ नहीं पाता हूँ। मैं नहीं देखता कि यह सब किस विषय में है।" तो ठीक है, वह बस इसे नहीं पकड़ पा रहा है। बस ऐसा ही है। जहाँ, आप हैं।

49 अब ध्यान दें, पौलुस आगे उसके रास्ते पर है। और जैसे ही उसके साथ यह बडा अनुभव घटित हुआ... अब, वह संतुष्ट नहीं था... यही है जो पौलुस को बहुत अच्छा बनाता है।

50 अब, आज रात हमारा विषय गहरा नहीं है। यह एक ऊपरी सतह का विषय है, लेकिन, ओह, हम कुछ देर बाद गहराई में उतरेंगे। लेकिन यह एक बहुत ही ऊपरी सतह का विषय है, लेकिन यह अभी आरंभ हो रहा है।

और यह क्या है, यही एक बात है, यही यीशु मसीह को ऊंचा करती है। पौलुस, आरंभ करता है।

51 और इससे पहले कि वह ऐसा करे, पौलुस एक बाइबल का विद्वान था। और एक बाइबल का विद्वान अनुभवों के ऊपर उसके सिद्धांत को कभी भी नहीं रखेगा। नहीं, महाशय। वे अनुभव के ऊपर अपने सिद्धांत को कभी भी नहीं रखेगे। आपके पास किसी भी प्रकार का एक अनुभव हो सकता है। लेकिन इसे अवश्य ही **यहोवा यों कहता है** होना है। सही है।

52 अब, पुराने नियम में, उनके पास संदेश को जानने के तीन अलग–अलग तरीके थे। पहला, वो व्यवस्था, यह केवल व्यवस्था ही थी। उसके बाद, उनके पास एक—एक भविष्यव्यक्ता था; स्वप्न देखने वाला; और उनके पास ऊरीम तुम्मीम था। अब यह थोड़ा गहरा हो सकता है।

53 ऊरीम तुम्मीम यह छाती का पटुका था जिसे हारून अपनी छाती पर पहने हुए था। इसमें बारह पत्थर लगे हुए थे: यशब, मानिक, मसा, इत्यादि, नीचे की तरफ। उनके पास सारे बारह बड़े रत्न या पत्थर थे, जो उस छाती के पटुके में लगे हुए थे, यह दर्शा रहा था कि वो इस्राएल के बारह गोत्रों में से प्रत्येक गोत्र का महायाजक था। यह छाती का पटुका आराधनालय के एक खंभे पर लटका हुआ था। और जब एक भविष्यद्वक्ता भविष्यद्वाणी को करता, और वे पक्का करना चाहते थे कि भविष्यद्वाणी सही है, या नहीं, वे भविष्यद्वक्ता या स्वप्न देखनेवाले वे उस ऊरीम तुम्मीम के साम्हने खड़े होते, और जो कुछ उस ने देखा था, उसके स्वप्न को या उसके दर्शन को उसे बताता। और यदि वो पवित्र प्रकाश... ओह, क्या आप इसे समझ रहे हैं? परमेश्वर हमेशा अलौकिक अय्याम में वास करता है। वो समूह, उन प्रकाश के, बस सामान्य होते थे, जब तक यह आवाज वहां उन तक नहीं जाती। और जब आवाज उन पत्थरों पर पड़ती, यदि यह अलौकिक नहीं होता था, तो यह शांत पड़ा रहता। लेकिन यदि यह अलौकिक होता था, तो वे प्रकाश सब मिलकर मेघधनुष के रंगों को प्रतिबिंबत करते थे। आमीन। तब, यह परमेश्वर बोल रहा था, "वो मेरा भविष्यव्यक्ता है।" या, "वो स्वप्न मेरी ओर से आया था।" यह ऊरीम तुम्मीम के अनुसार होता था जिससे वे न्याय करते थे।

54 याद है शाऊल जब वह पीछे हट गया था? उसने कहा कि उसके पास कोई सपना नहीं हो सकता। और भविष्यद्वक्ता, शमूएल, मर गया, और

वहां कोई जरिया नहीं था। उसने कहा, "यहाँ तक कि उरीम भी मुझसे नहीं बोलेगा।" कुछ भी नहीं। शाऊल ऊरीम के साम्हने खड़ा रहा, और उसके शब्द मरी हुए जोर की आवाज़ थी। देखा? परमेश्वर ने तब उसे अस्वीकार कर दिया। और वो ऊरीम तुम्मीम, जो हारून उसके याजक पद का प्रमाणित होना था। हारून के जाने के बाद, मूसा, वो—वो पटुका खंभे पर लटका हुआ था।

55 अब, हारून का याजकपद समाप्त हो गया, जब यीशु की मृत्यु हुई। और अब, व्यवस्था को अनुग्रह से अलग करते हुए, हमारे पास अभी भी एक ऊरीम थुम्मीम है। और पौलुस इसका उपयोग कर रहा था। समझे? ऊरीम तुम्मीम आज परमेश्वर का अमरहार, अनंत, सनातन वचन है। देखा?

56 "क्योंकि जो कोई इस किताब में से कुछ निकलेगा, या उसमें कुछ जोड़ेगा।" मैं इसके बाहर कुछ नहीं चाहता हूँ, लेकिन मैं वही सब चाहता हूँ जो इसमें है। यही वो कलीसिया है जिसे हम चाहते हैं। और सारी चीजो को अवश्य ही वचन के द्वारा सिद्ध किया जाना चाहिए।

57 यही वो कारण है कि मैंने हाल ही में पेंटीकोस्टल लोगों के बीच एक गिरावट को लिया, क्योंकि, कह रहे थे, "मैं समझ नहीं सका कि जहाँ आपके हाथों से तेल बह रहा हो, या आपके चेहरे पर से लहू बह रहा हो, यह एक चिन्ह था कि आपके पास पवित्र आत्मा है।" यह वचन अनुसार नहीं है और मैं—मैं बस इसे नहीं ले सकता। इसे वचन से ही आना है।

58 और अब, पौलुस, वह केवल वचन से प्रेम करता था। इसलिए, इससे पहले कि वह अपने इस महान अनुभव को कभी देखता जो उसके पास था, वह तीन वर्ष के लिए मिस्र में चला गया। मैं इसे विश्वास करता हूँ ये तीन वर्ष थे, वहां तीन वर्ष मिस्र में। और आप जानते हैं कि मैं क्या सोचता हूँ कि उसने क्या किया? मैं सोचता हूँ कि उसने पुराने नियम को लिया, और पुराने नियम में से होते हुए ढूंढा, और पाया कि वो वास्तव में पूर्ण रूप से मसीहा था। उसे अपने अनुभव को बाइबल से साबित करना था। आमीन। ओह, परमेश्वर!

59 उसकी ओर देखे जब वह जेल में था। आप ध्यान दें, वहाँ पर पौलुस के जीवन का एक—एक समय अंतराल है जब वह वहां लंबे समय तक जेल में था। उसने इफिसियों की किताब लिखी। उसने इस इब्रानी की पत्री को लिखा था। समझे? उसके पास समय था। परमेश्वर ने उसे वहाँ एक

कारागार में रखा, और उसने इन पत्रीयों को कलीसियाओं के लिए लिखा। इफिसुस के कलीसिया के लिए एक। उसने पेंटीकोस्टल कलीसिया के लिए एक लिखा, उनके साथ बहुत सारी परेशानी थी। पेंटीकोस्टल कलीसिया के साथ उसे किसी और की तुलना में अधिक परेशानी थी। अभी भी ऐसा है। लेकिन वह उनके प्रति आभारी था। केवल एक चीज जो वह उन्हें सिखा सका था... जब वे अंदर आये: किसी के पास अन्य जुबान में बोलना था, किसी के पास स्तुती गान था, किसी के पास कंपन या सनसनी थी, किसी के पास अनुभूति थी। वह "अनंत सुरक्षा" पर बोल नहीं सकता था, उनसे बात नहीं कर सकता था। वह उनसे "पहले से ठहराये जाने" पर बात नहीं कर सकता था। वह उनसे बात नहीं कर सकता था, क्योंकि वे छोटे बालक थे। उन सभी को—को कुछ तो महसूस करना था, या कुछ तो देखना था, या अजीब सी भावनाएं, और, या उनके इर्द–गिर्द कुछ तो, कुछ तो प्रमाण होना था।

60 लेकिन मैं विश्वास करता हूँ, जब उसने इफिसीयन से बात की, वह बोल सकता था, "परमेश्वर ने हमें पुत्र और पुत्रियां होने के लिये पहले से ठहराया है, और हमें जगत की बुनियाद से पहले यीशु मसीह में संतान के नाई लेपालकपन किया है।" उस पर देखे। ओह!

61 उसे रोमियों की किताब, और इत्यादि की ओर आते हुए देखें। वे बढ़ चुके थे। ओह, उन्होंने अन्य जुबानो में बात की, निश्चिय ही, और उनके बीच में पवित्र आत्मा के अन्य चिन्ह थे। लेकिन उन्होंने सिद्धांत नहीं बनाये, और संवेदनाएं, और छोटे–छोटे कंपन, और अजीब सी अनुभूति।

62 पौलुस ने कहा, "तुम—तुम—तुम इसके साथ अत्याधिक चले जाते हो। जब कि तुम्हे सिखाना चाहिए, पर अब भी तुम बच्चे हो और तुम्हे दूध पीना है।"

63 अब, यही है जो मैंने हमेशा कोशिश की है कि इस आराधनालय को लिए यत्न करूँ, ना ही एक बच्चों के झुंड के लिए। आइये पक्कवता में आ जाए। रास्ते पर खड़े हो जाये। ओह, प्रभु! आप वहां हो।

64 सो, पौलुस सबसे पहले वहाँ पर जाता है, यह देखने के लिए कि क्या उसका अनुभव परमेश्वर की बाइबल से मेल खाता है।

65 ओह, क्या आज यह अद्भुत नहीं होता, यदि लोगों ने फिर से ऐसा ही किया होता, यदि हम अपने अनुभव को परमेश्वर की बाइबल से मिलाते?

यदि ये मेल नहीं खाता है, तब हमारा अनुभव गलत है; यह ऊरीम थुम्मीम में नहीं चमकता है। यदि यह वहाँ चमकता है, आमीन, समझ लेना आपने इसे पा लिया। लेकिन यदि ऐसा नहीं होता है, तो कुछ... मैं परवाह नहीं करता कि यह कितना अच्छा दिखाई पड़ता है, यह कितना वास्तविक दिख रहा था जैसे कि यह सही हो; यदि उस ऊरीम तुम्मीम पर प्रकाश नहीं चमकता है, तो यह गलत था।

66 और कोई फर्क नहीं पड़ता आपके पास कितना भी अनुभव क्यों न हो, यह कितना वास्तविक दिखता हो, ये कितना प्रत्यक्ष दिखता है, यह कितना शिक्षात्मक है, प्राणों को जीतने के लिए यह कितना अच्छा साधन है; यदि यह वचन में नहीं चमकता है, तो यह गलत है। सही है। इसे वचन के अनुरूप होना अवश्य है।

67 अब, मैं विश्वास करता हूँ... वहां सड़क के बीच में है। सड़क, अब, बहुत सी बार... मैं एक नाजरीन कलीसिया जाया करता था। प्रभु उन प्रिय लोगों को आशीष दे। पुराने प्रचलन के, पवित्र मेथोडिस्ट जो कि वे हैं; परमेश्वर की कलीसिया, नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस, और उनमें से वे बहुत सी अच्छी पुरानी पवित्र कलीसियाये। और वे एक गीत को गाया करते थे:

मैं उस पुराने विशाल महामार्ग में चल रहा हूँ,
मैं जहां भी जाता हूं बताता हूं,
मैं पुराने समय का मसीही बनना पसंद करूंगा, प्रभु,
बजाये उसके मैं जो कुछ भी जानता हूँ।

68 अच्छा। अद्भुत। और फिर वे पवित्रता के महामार्ग की बात किया करते थे। अब, यदि आप वहां पर से पढेंगें, तो वे उसे यशायाह, 35वें अध्याय में से लेते हैं। अब, यदि आप ध्यान दें, तो उसने कहा, "वहां एक महामार्ग *और* एक मार्ग होगा।"

69 अब, *और* एक जोड़ या संयोजन है। समझे? एक महामार्ग, ये एक पवित्रता का महामार्ग नहीं था। "ये महामार्ग और मार्ग होगा, *और* इसे 'पवित्रता का मार्ग बुलाया जायेगा, '" ना ही पवित्रता का महामार्ग। "पवित्रता का मार्ग!" और सड़क का मार्ग सड़क के मध्य में होता है। इसे *इस* तरह बनाया जाता है ताकि पानी सड़क को साफ रखते हुए, दोनों तरफ से कचरे को धो दे। आप ऐसा नहीं करते हैं, आपकी सड़क पर हर समय कीचड़

जमा होने लगता हैं, यदि इसे सही तरीके से नहीं बनाया जाता है। "वो मार्ग" सड़क का मध्य होता है।

70 अब, *इस* तरफ, जब लोग परिवर्तित होते हैं, तो उनका मन ठीक मसीह पर स्थिर हो जाता है। और यदि वे बस थोड़े से विद्वान होते हैं, और प्रार्थना में बने नहीं रहते हैं, तो वे वास्तव में ठंडे, और कठोर, और रूखे, और बुरे हो जायेंगे। और फिर यदि वे बस थोडा परेशान हो जाते हैं, यदि आप नहीं देखते हैं, वे बस उग्र और जंगली हो जाएंगे, *इस* तरफ, देखें, वे सनसनी या अनुभूति और हर एक चीज के अंदर चले जाते हैं।

71 अब, लेकिन, सच्ची कलीसिया एक सच्ची समझ का सुसमाचार होती है, जो सड़क के ठीक मध्य में होती है। यह ठंडी और रुखी नहीं होती है, न ही यह कट्टरपंथी होती है। यह एक बहुत ही अच्छी, पुरानी, गर्म सुसमाचार, हृदय से महसूस किया गया परमेश्वर का प्रेम होती है, सड़क के ठीक मध्य में से जाते हुए, दोनों तरफ से आह्वान करते हुए। ये सही है। अब यही है जो... और आप उस कलीसिया को कैसे प्राप्त करेंगे? ठीक वचन में से, वो ऊरीम थुम्मीम।

72 अब, पौलुस इस कलीसिया को सड़क के ठीक मध्य में लाना चाहता था, इसलिए उस ने जाकर और तीन वर्ष तक उन वचनों का अध्ययन किया जिन्हें वह जानता था। इसलिए, पौलुस ने इस नए नियम के बड़े हिस्से को लिखा। परमेश्वर ने उससे ऐसा इसलिए करवाया था क्योंकि यह एक अन्यजाति युग आ रहा है। मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना, चार सुसमाचार, वे यहूदी थे। लेकिन पौलुस ने सबसे अधिक पत्रीयां लिखी।

73 अब ध्यान दें, अब, हम इस बुनियाद को अब लेना शुरू करेंगे, जहां पर वो इसे लिख रहा है, जेल से। और उसके पास यह सारा अनुभव है। लेकिन, सबसे पहले, यह अनुभव पहले साबित हुआ था, और यह इसके लिये उसकी मुख्य पत्री है। यह उसकी प्रमुख पत्री है। रोमियों और इफिसियों, इत्यादि, उनकी अपनी जगह है, लेकिन यह मुख्य पत्री है।

74 अब, पहला अध्याय पूरा यीशु को ऊँचा करने के ऊपर *है,* और उसे भविष्यद्वक्ता होने से अलग कर रहा है। अब यही पूरा मूल विषय है। मैं इसे अभी जितनी जल्दी हो सके लेने का प्रयास करूँगा, इसलिए कि हम बहुत अधिक समय तक नहीं रुकें। पूरा मूल विषय अलग कर रहा *है* नए अध्या–... नए... पहला अध्याय यीशु को किसी भी भविष्यव्यक्ता से अलग

करता है, या किसी भी व्यवस्था से, या इत्यादि, और दिखा रहा है कि यीशु कौन है। अब देखो, "परमेश्वर।" हम आरंभ करते हैं, पहला शब्द, "परमेश्वर।"

परमेश्वर, विवि–... *जो विविध या पूर्व समय में...*

विविध का अर्थ होता है कि "बहुत पहले," पिछला समय।

... पूर्व समय में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके और भांति भांति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें कर के,

75 अब देखो, "परमेश्वर, विविध समयों में, बहुत पहले, उसने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्व पिताओ से बातें कीं।" इसी तरह से उसे अपने भविष्यव्यक्ता के जरिये से उसके संदेश को देना था।

76 परमेश्वर अपने भविष्यद्वक्ता को भेजता जैसे एलिय्याह, यिर्मयाह, यशायाह। और यदि आप ध्यान दें, तो संसार के पूरे इतिहास में कभी भी कलीसिया ने भविष्यवक्ता को उत्पन्न नहीं किया। इसे पुराने नियम में, नए नियम में, या इस दिन में, अंतिम दिन में ढूंढें। मुझे दिखाओ कि कोई भी भविष्यद्वक्ता कभी भी अंतिम दिन में कलीसिया में से ऊपर आया था। मुझे दिखाओ एक भी कभी इसमें से ऊपर आया हो। और मुझे दिखाओ कि एक बार भी एक भविष्यद्वक्ता, परमेश्वर का सच्चा सेवक, जिसे संसार के गिरजे संबंधी व्यवस्था ने उस पर दोष नहीं लगाया हो।

77 बस इस पर सोचे। यिर्मयाह, यशायाह, वहां से होते हुए सारे पुराने नियम के, उन्होंने इस पर दोष लगाया था। यीशु ने कहा, "तुम भविष्यव्यक्ताओ की कब्रों को सजाते हो, और उन्हें सफेद करते हो, और तुम ही उन्हें वहां डालते हो।" ये सही है।

78 कलीसिया इसे जारी रखती है। सेंट पैट्रिक की ओर देखो। तुम कैथोलिक लोग उस पर दावा करते हो। वह मुझसे ज्यादा कैथोलिक नहीं है। ये सही है। लेकिन आप उसका दावा करते हैं।

79 असीसी के संत फ्रांसिस को देखें। उसका दावा करते है। वह मुझसे ज्यादा कैथोलिक नहीं है।

80 जोएन ऑफ आर्क को देखें। आपने उसे एक चुडैल के रूप में जलाकर मार डाला, क्योंकि उसने दर्शन देखे और ये आत्मिक है। उसे जला कर मार डाला। और वह स्त्री दया के लिए चिल्लाती रही, और उन्होंने उसे

जलाकर मार डाला। लगभग सौ वर्ष के बाद, उन्हें मालूम पड़ा कि वह एक भविष्यव्यक्तनी थी। वह परमेश्वर की दासी थी। ओह, निश्चय ही, आपने एक बड़ा जुर्माना लगाया: आपने याजकों के शरीर को खोदकर और उन्हें नदी में फेंक दिया।

81 "तूम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रों को सजाते हो, और उनमें रखते हो।" सही है। गिरजे की व्यवस्था ने कभी भी परमेश्वर के व्यक्ति को उत्पन्न नहीं किया; कभी भी नहीं किया, ना ही आज किया है, और कभी नहीं करेंगे। संगठित धर्म कभी भी परमेश्वर का मूल विषय नहीं रहा है।

82 संसार में सबसे पुरानी संगठित कलीसिया कैथोलिक कलीसिया है; लूथर, दूसरा; फिर ज़िंगली आया; ज़िंगली के बाद, केल्विन आया; केल्विन, आगे, वो एंग्लिकन, एंग्लो–सैक्सन, इसे लेते हुए, उसके बाद एंग्लिकन कलीसिया; और किंग हेनरी जो आठवा था, जब उसने विरोध किया, और इत्यादि; और आगे वेस्ली मेथोडिस्ट, और नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस; और वहां से आगे अंत में, पेंटीकोस्टल है, सभी संगठित हो गए। और बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि कैथोलिक कलीसिया एक—एक बुरी स्त्री है, और प्रोटेस्टेंट कलीसियायें और उनके संगठन उसकी पुत्रियाँ हैं, प्रकाशितवाक्य 17। यह बिल्कुल सही है। सो वे...

83 अब ना ही लोग। वहां उन सारी कलीसियाओं में अच्छा है; संत, बचाए गए लोग। लेकिन परमेश्वर अपने लोगों को किसी संगठन के द्वारा नहीं बुलाता है। वह उन्हें व्यक्तिगत रूप से बुलाता है। परमेश्वर व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है, चाहे आप मेथोडिस्ट हो, बैपटिस्ट हो, प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक हों, या आप जो भी हैं। परमेश्वर, जगत की बुनियाद डालने से पहले, आपको जानता था, और आपको अनन्त जीवन के लिए पहले से ठहराया गया है या, या तो आप अनन्त नाश के लिए पहले से ठहराये गए है। नहीं...

84 वह नहीं चाहता था कि आपको नष्ट होना चाहिए, आप नष्ट हो जायेगे। लेकिन, वह अनंत होने पर, उसे आदि से लेकर अंत को जानना था, या तो वो परमेश्वर नहीं होता है। सो यीशु धरती पर कभी बस ऐसा कहने के लिए नहीं आया, "तो ठीक है, मैं देखूंगा कि क्या कोई दया करता है... यदि मैं कार्य करता और मरता हूं, निर्दयी तरीके से, तो वे शायद सोचेंगे, 'ठीक

है, मैं... ' इससे—इससे उनके हृदय को यकीन हो जायेगा, और वे... " परमेश्वर अपने कार्य को इस तरह से नहीं करता है।

85 यीशु एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए आया, अर्थात्, उन लोगों को बचाने के लिए जिन्हें परमेश्वर जगत की बुनियाद से पहले जानता था कि वे बचाये जायेंगे। उसने ऐसा कहा। ये सही है। तो आप... "यह वो नहीं है जो चाहता है, या वह जो दौड़ता है; यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है।" पौलुस ने ऐसा कहा। यहाँ वही मनुष्य है।

86 उसने कहा, "यही वो कारण है परमेश्वर कह सकता था, इससे पहले एसाव या याकूब का, या तो जन्म होने से पहले, उसने कहा, 'मैं एक से प्रेम करता हूं और दूसरे से घृणा करता हूं।'" इससे पहले लड़के का जन्म भी हो, परमेश्वर जानता था कि एसाव एक निर्लज्ज था, और वह जानता था कि याकूब एक... वह अपने जन्मसिद्ध अधिकार से प्रेम करता था। तो वह जगत के बनने से पहले, इसके बारे में जानता था। अब, हम एक मिनट में यह देखने जा रहे हैं कि वह कौन था जो इसे जानता था। यह इस अध्याय में है।

पूर्व समय में परमेश्वर... ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके...
और भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें करके,

इन दिनों के अन्त में हम से पुत्र के द्वारा बातें की,...

क्या किया है? "इस अंतिम दिनों में हमसे उसके पुत्र के द्वारा बात की है।"

87 अब, तब आप इसे किस तरह से सोचेंगे, एक भविष्यव्यक्ता क्या होगा? क्या हमारे पास इस दिन का कोई भविष्यव्यक्ता होगा? बिल्कुल होगा। क्या वो हमारे द्वारा बोलेगा? निश्चय ही। लेकिन वह जो... पुराने दिनों के भविष्यद्वक्ता यीशु मसीह की आत्मा थे।

88 अब, आइये इसे सीधा लेते हैं, क्योंकि मैं नहीं सोचता कि यह सही तरह से अंदर जा रहा है। अब, यह बिल्कुल रविवार स्कूल की तरह है, जिससे कि हम इसे साफ करना चाहते हैं। समझे?

89 ध्यान दे। आइए हम परमेश्वर की आत्मा को लें जो मूसा में थी, पूरी तरह से... जो यीशु मसीह की पूर्वछाया है। पुराने नियम के सारे पात्र क्रूस की पूर्वछाया हैं। मूसा, एक उचित बालक जन्मा, सरकंडो में छिपाया गया,

अपने माता–पिता से दूर ले जाया गया, और इत्यादि, और... वो एक राजा था, या एक—एक अगुवाही करने वाला, नियम को देने वाला, बिचवाई करने वाला, याजक। वह जो कुछ भी था उसने मसीह की पूर्वछाया को दिखाया था।

90 यूसुफ की ओर देखे, जो अपने पिता का प्रिय, और अपने भाइयों के द्वारा घृणा किया गया, और लगभग चान्दी के तीस सिक्कों में बेचा गया। एक गड्ढे में फेंक दिया गया, ये जानकर कि मर गया है; उसे बाहर निकाला गया। उसके सतावट में, पिलानेहारा बच गया, और पकानेहारा नाश हो गया; वे क्रूस पर के दो चोर। और फिर जब वो बाहर निकला, उस गड्ढे में से ऊपर आकर और फिरौन के दाहिने हाथ बैठ गया था, सबसे बड़ा व्यावसायिक रूप से... वो—वो—वो राष्ट्र जिसने पूरी दुनिया को साफ़ कर दिया। और कोई भी मनुष्य फिरौन के पास नहीं आ सकता, सिवाय उनके जो यूसुफ के द्वारा आते है; यीशु परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ है, और कोई भी मनुष्य बिना मसीह के द्वारा परमेश्वर के पास नहीं आ सकता। और जब यूसुफ उस सिंहासन को छोड़ कर और बाहर निकलता, तब मनुष्य उसके आगे–आगे चलते, और जोर–जोर से चिल्लाते और तुरही को फूंकते, तुरही बजती, कहते हुए, "घुटने टेको! युसूफ आ रहा है।"

91 और जब यीशु आता है, तो एक तुरही बजेगी, और हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी। जी हां, महाशय। वहाँ वो था।

92 और जब यूसुफ मरा, तब उस ने एक यादगार को छोडा, उन के लिये जो छुटकारे की बाट जोह रहे थे।

93 मैंने अपना हाथ पुराने ताबूत पर रखा, यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, यह सीसा का बना हुआ था। और उसका शरीर बने रहना चाहिए था... उसकी हड्डियाँ... कहा, "तुम मुझे यहाँ मत दफनाओ, किसी दिन परमेश्वर तुमसे भेंट करेगा।" वह एक भविष्यव्यक्ता था। "परमेश्वर तुमसे भेंट करेगा।" और कहा, "जब तुम प्रतिज्ञा किये हुए देश जाओ, तब मेरी हड्डियों को ले लेना।"

94 हर एक पहले समय का इब्रानी, एक मार खायी हुई पीठ और लहू के साथ होता था, उस ताबूत में देख सकता था और कह सकता था, "किसी दिन, हम बाहर निकलेंगे।"

95 यीशु ने एक यादगार को छोड़ा, एक खाली कब्र। किसी दिन जब हम वहां कब्र में जायेंगे, और हमारे प्रिय जन, और उस कुछ पुरानी मिट्टी को लेते है, तो ये सुनाई देता है, जब वे कहते है, "राख को राख, और धुल को धुल, और मिट्टी को मिट्टी।" लेकिन, भाई, हम समुद्र के उस पार देख सकते हैं, एक खाली कब्र को। किसी दिन, हम यहाँ से जा रहे हैं। हम घर जा रहे हैं। वो आ रहा है। हर एक चीज प्रतिछाया थी।

96 दाऊद की ओर देखो, उसके अपने ही लोगों के द्वारा ठुकरा दिया गया, और उसके अपने ही लोगो के द्वारा राजपद से उतार दिया गया। यरूशलेम का राजा होने पर, उसे अपने ही लोगों के द्वारा यरूशलेम से निकाल दिया गया था। और जब वह जैतून पहाड़ पर चढ़ गया, तो उसने पीछे मुड़कर देखा और रोया। उसे अस्वीकार कर दिया गया था।

97 तब से आठ सौ वर्ष बाद, दाऊद का पुत्र, यरूशलेम का राजा, एक पहाड़ी पर बैठकर और रोया, क्योंकि उसे अस्वीकार कर दिया गया था।

98 वह दाऊद में मसीह की आत्मा थी। सभी ने क्रूस की पूर्वछाया को दिखाया। वे भविष्यव्यक्ता उसके नाम से बोले। वे उसके नाम में जीये। उन्होंने उसके नाम में कार्य किया। निश्चय ही। "परमेश्वर ने विविध समयों में और भिन्न–भिन्न तरह सें भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्व–पिताओ से बातें कीं, लेकिन इस अन्तिम दिन में अपने पुत्र के द्वारा।"

99 सो भविष्यव्यक्ता और आत्मिक पुरुष, आज के दिन, केवल मसीह का प्रतिबिंब है। वहाँ, नियम के अनुसार वे खड़े हुए थे, देखो। यहाँ पर वे खड़े हैं, अनुग्रह में से होते हुए दूसरी तरह से पीछे देख रहे हैं।

100 कि इब्रानियों 11 में, अंतिम अध्याय में, मैंने अक्सर ऐसा सोचा है। अंतिम अध्याय में, इब्रानियों के 11वें अध्याय का अंतिम भाग, जब वो अब्राहम के बारे में बात करता है। वो महान विश्वास का अध्याय, और अंत में, उसने कहा, "वे भेड़ों और बकिरयों की खालें ओढ़े हुए, और इधर–उधर मारे– मारे फिरे, और आरे से चीरे गए। वे इधर–उधर भटकते फिरे, जाने के लिए कोई स्थान नहीं, घृणा किये गए, और तिरस्कार किये गए, और सताये गए। जिनमें से, यह संसार ऐसे लोगो के योग्य न था।"

101 तब पौलुस खड़ा हो गया और कहा, "लेकिन हमारे बिना वे सिद्ध नहीं हैं।" क्योंकि उन्होंने केवल क्रूस *की* ओर देखा, और हम क्रूस में से *होकर* देखते हैं। हमारे पास मसीह की आत्मा है जब ये मनुष्य देह बन गया और

हमारे बीच में वास किया। हम यहां पवित्र आत्मा के द्वारा आते हैं, जो कि कहीं अधिक बेहतर योजना है।

102 और कभी–कभी मैं सोचता हूँ कि आज मसीहत क्या अपेक्षा करता है। शहर में जाने वाले एक प्रचारक को... या कोई नयी कलीसिया का या कोई नया कार्यभार लेता है, खुद को भविष्यव्यक्ता कहता है, वहाँ चलकर जाता है, कहता है, "अच्छा, यदि वे मुझे इतना पैसा देंगे। यदि मुझे सबसे अच्छी कार मिल सकती है। यदि वे... यदि मेरा वेतन हर छह महीने में बढ़ाया जाएगा।"

103 हमारे पास सबसे अच्छा होना चाहिए। हमारे पास सबसे अच्छे घर होने चाहिए। हमारे पास सबसे अच्छे कपड़े होने चाहिए। हम क्या करेंगे जब हम उन मनुष्यों के साम्हने खड़े होंगे जो बकरियों और भेड़ों की खालों को ओढ़े भटकते फिरते थे, सिर को रखने के लिए कोई जगह नहीं जंगलो में भटकते फिरे? और कोई तो हमारा मज़ाक उड़ा सकता है और हम कलीसिया को छोड़ने के लिए तैयार हो जाते है और उसके बाद वापस नहीं जाते हैं। आज मसीहत की आवश्यकता क्या है। हमें खुद पर शर्म आनी चाहिए।

हे परमेश्वर, हम पर दया करे।

104 उस दिन में, उसने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बात की, लेकिन आज के दिन अपने पुत्र के द्वारा बात करता है। वो वहाँ पर एक भविष्यद्वक्ता का वचन था। यह आज पुत्र का वचन है। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो!

105 दूसरे शब्दों में, यदि आप छाया की ओर, नेगेटिव की ओर देख रहे हैं, तो आप गलती कर सकते हैं। लेकिन यह विकसित हुई, स्पष्ट तस्वीर है। यह नबी के द्वारा था; यह उसके पुत्र के द्वारा है। वह एक नेगेटिव के द्वारा था; यह एक वास्तविक के द्वारा है। आमीन। आपने इसे देखा? वहां खोने का मौका नहीं है। यह एक वास्तविक चीज है, इस दिन उसके पुत्र के जरिये से। ओह, कितना अद्भुत!

... जिसे उस ने वारिस ठहराया... (ओह, परमेश्वर)*... सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया...*

106 यह क्या था? यह एक नियुक्ति थी। ओह, सुनना। उसे नियुक्त किया गया था, मसीह, सारी चीजों का वारिस था। ओह, शैतान यह जानता था, अदन के बगीचे से लेकर, आप देखो, जब शैतान ने उस दिन पर वहां उन लोगों के न्याय के समय उस वचन को सुना। कहा, "क्योंकि तुम मिट्टी से

आये हो, तुम वापस मिट्टी में चले जाओगे; और स्त्री का वंश सर्प के सिर को कुचल डालेगा।" एक प्रतिज्ञा किया गया बीज।

107 शैतान लगातार उस बीज को देखता रहा। जब हाबिल का जन्म हुआ, तो उसने कहा, "तुम वहाँ हो, यही वो बीज है।" और उसने हाबिल को मार डाला। उसके पुत्र कैन ने हाबिल को मार डाला। और हाबिल के मरते ही उस ने कहा, "मैंने बीज को ले लिया।" उसने मार डाला। उसने कहा, "मुझे मिल गया।" लेकिन, हाबिल की मृत्यु, शेत का जन्म फिर से पुनरुत्थान था। देखो कि वे कैसे आगे आये।

108 वो शेत का वंश, ये आगे आया, एक नम्र, धर्मी मनुष्य; हनोक से होते हुए आगे की ओर; नूह से आगे होते हुए, प्रलयपूर्व विनाश के अंत तक।

109 कैन के वंश को देखो, जो चतुर, शिक्षित, विज्ञान के लोग बने। बाइबल नहीं कहता... क्या यीशु ने नहीं कहा, कि, "इस संसार की संतान, उस राज्य के संतान की तुलना में अधिक बुद्धिमान हैं"? आज भी कैन के तरफ के लोगो की ओर देखें: चतुर, शिक्षित, संदेहवादी, बहुत ही धार्मिक; देखो, बहुत ही धार्मिक, लेकिन वैज्ञानिक, विकसित करने वाले, बड़े पुरुष।

110 बड़े–बड़े पुरुषों को ले। थॉमस एडिसन, बहुत से बड़े–बड़े पुरुषों को देखें। आइंस्टीन की ओर देखे, आज दुनिया के दिमाग, कहलाये जाते है, दुनिया के दिमाग। लेकिन हम दिमाग का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करते हैं। हम उस मन को जो मसीह में था हम में होने दे, और इस वचन को की ओर देखे, और उसे वैसा ही कहे।

111 चिकित्सक डॉक्टर, हालांकि हम उन्हें सलाम करते हैं, जो कुछ हमारे पास है, लेकिन उनमें से अधिकांश संदेहवादी, संशयवादी होते हैं। आज के चतुर और बुद्धिमान लोगों की ओर देखें। वे वहाँ उस तरफ हैं, कैन की तरफ।

112 लेकिन नम्र और दीन की ओर देखे। वहां आपका फिर से पुनरुत्थान है। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो! आप वहां हो। ध्यान दे।

> ... उसने उसे *सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा उस ने सारी सृष्टि रची है;*

इन संसार को किसने बनाया? मसीह। "मसीह ने इन संसार को बनाया? " जी हां, श्रीमान। आइये हम थोड़ा और आगे बढ़ते हैं।

वह उस की महिमा का प्रकाश, और उसके उपस्थिती *की छाप को व्यक्त करता है,...*

किसकी महिमा का प्रकाश? परमेश्वर की महिमा का। किसकी उपस्थिति की छवि को व्यक्त करता है? परमेश्वर की। ओह, मैं इसे पसंद करता है!

... या उसके व्यक्ति की छवि को व्यक्त करता है, और वचन के द्वारा सभी चीजों को संभालता है...

आप वहां हो। वचन, जो सब बातों को संभालता है। यीशु ने कहा, मत्ती 24 में, "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी न टलेगा।" वह सब चीजों का संभालता है।

113 विज्ञान इसे नीचे करने की कोशिश करता है, और कहता है, "यह एक पुरानी किताब है। इसका अनुवाद किया गया है।"

114 यहां तक कि रोमन कैथोलिक कलीसिया, बिशप शीन ने कहा, "इसका चार या पांच बार अलग–अलग बार अनुवाद किया गया है, और इसके लिए ज्यादा कुछ नहीं है। आप इसके द्वारा नहीं जी पाएंगे यदि आपको जीना है तो।" लेकिन वो अपने वचन के द्वारा सारी चीजो को संभालता है। आमीन। यही है जो मैं इसके बारे में सोचता हूं। मैं बाइबल पर विश्वास करता हूँ।

... अपनी सामर्थ के वचन से, (वहां वचन में सामर्थ है), *जब उसने स्वयं हमारे पापों को साफ़ किया था,...* (यहाँ पर देखो) ... *ऊंचे स्थानों पर महामहिम के दाहिने जा* बैठा*;*

115 पौलुस क्या करने की कोशिश कर रहा है? वो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि परमेश्वर ने सारी चीजों को मसीह में बनाया है, और मसीह परमेश्वर का व्यक्त स्वरूप था। बाकी का सम्पूर्ण अध्याय इस बात से संबंधित है कि किस तरह से वह दूतों से ऊँचा था, सारी सामर्थो से ऊँचा था। दूतों ने उसकी आराधना की। पौलुस उसे ऊँचा करने की कोशिश कर रहा था।

116 अब, मैं कोशिश करना चाहता हूँ... यदि मैं इससे और आगे नहीं जाता हूँ, तो इसका बाकी का बस मसीह को ऊँचा करना है। पौलुस यहाँ पर क्या कहता है, जैसे 11वें अध्याय में, और वो सारा विषय दुनिया के बारे में बात करने पर था। उसने कहा, "दूत ने क्या—क्या कहा, 'तू मेरा पुत्र है, आज के दिन मैंने तुझे उत्पन्न किया है? " देखा?

117 "संसार के अंत में, वे नाश हो जाएंगे। संसार नाश हो जाएगा। लेकिन वो... और संसार की सारी चीजें नाश हो जाएंगी। वह उन्हें एक वस्त्र की तरह मोड़ देगा। वे बूढ़े हो जाते है, और बदलते है, और यहाँ से चले जाते है। 'पर तू बना रहता है। तू सदा बना रहता है। तू मेरा पुत्र है। आज के दिन मैं ने तुझे उत्पन्न किया है, और कभी भी नाश नहीं होगा, और महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ हैं।'"

दाहिने हाथ का अर्थ क्या होता है? ना ही, परमेश्वर का दाहिना हाथ होता है कि कोई इस पर बैठा हुआ हो। *दाहिने हाथ* का अर्थ होता है "सामर्थ और अधिकार," आकाश और धरती में हर एक चीज का अधिकार मिला है। और सारा आकाश और धरती उसी के द्वारा बनाया गया हैं।

118 अब, कौन है यह महान व्यक्ति, यह महान पुरुष, मसीह? यहाँ, परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है, ऐसा नहीं है... यह एक त्रिएकता है, लेकिन यह लोगों की त्रिएकता नहीं है। यह कार्यस्थान की त्रिएकता है, उस एक परमेश्वर की।

119 वह इस्राएल की संतान का नेतृत्व करने वाला पिता था। वह उसका कार्यस्थान था, वो महान यहोवा पिता। और उसने धरती पर वास किया, जिसे पुत्र कहा जाता है। और अब वह उसके कलीसिया में रहता है, जिसे पवित्र आत्मा कहा जाता है। ना ही तीन परमेश्वर; तीन कार्यस्थान में एक परमेश्वर: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा।

लोग उसे तीन अलग–अलग परमेश्वर, बनाने की कोशिश करते हैं, परमेश्वर पिता। यही वो कारण है, यहूदी को, आप कभी नहीं कर पाएंगे, आप इसे किसी यहूदी के लिए वहां कभी नहीं ला पाएंगे, नहीं। वो नहीं कर सकता। उसके पास एक आदेश है, कि, "मैं एक परमेश्वर हूँ।" वहां केवल एक ही परमेश्वर है।

120 अफ्रीका में वे तीन भिन्न–भिन्न तरीकों से बपतिस्मा लेते हैं: वे एक बार पिता के लिए, और एक बार पुत्र के लिए, और एक बार पवित्र आत्मा के लिए बपतिस्मा देते हैं। अपोलोस्टिक फैथ मिशन, वे तीन बार बपतिस्मा लेते हैं, उनके मुंह को आगे की ओर करके, उसकी मृत्यु के लिए। जिसे वे पश्चिमी तट या पूर्वी तट पर फुल गोस्पल कहते हैं, तीन बार पीछे की ओर करके बपतिस्मा लेते है, कहा वो... उसके दफनाने के निमित करते है।

और उसने कहा, "जब वह मरा, तो वो आगे की ओर गिरा।"

121 दूसरे ने कहा, "रुको। तुम्हे एक मनुष्य को उसकी पीठ पर दफनाना होता है।" बस छोटी–छोटी पुरानी तकनीकी चीजें, जब कि, वे दोनों ही गलत है; वचन के अनुसार दोनों गलत है।

यह ऊरीम तुम्मीम है। यह इसे सुलझा देता है।

122 अब, यहाँ, आइये हम बस उसकी तस्वीर को लेंगे और देखेंगे ये आज रात किस—किस तरह दिखाई देता है। यहाँ है ये, यदि आप इसे देखना चाहते हैं। इस सब पर लगभग पच्चीस वर्षों में मैं एक सेवक रहा हूं, मैंने इसका अध्ययन किया है। और मैंने अक्सर कलीसिया में दानो के बारे में सोचा है। वे दान क्या हैं? भविष्यवाणी करना, अन्यजुबानो से बोलना, अन्यजुबानो का अनुवाद करना, दैविक प्रकाशन, और इत्यादि, यह सब कुछ मसीह के जरिये से आता है।

123 अब देखो। मसीह सारी चीजों का सिर है। और वह कलीसिया का सिर है। और क्या आपने कभी एक बडे हीरे को देखा है? एक बहुत ही बड़ा हीरा जिसे ठीक तरह से काटा गया जाता है, उसमें से छोटे–छोटे टुकड़े निकल जाते हैं, इसमें से उसकी कटाई करके निकालते है। यही एक सही हीरे को बनाता है। किस लिए कटाई होते हैं? उस असली हीरे के लिए, इस तरह से इसे निकाला जाता है, इसे मसला जाता है; उस असली हीरे को, जब इसे पाया जाता है।

मैं किम्बरली में था। आप में से बहुत से लोगों ने सुना है कि आप सड़क पर से हीरे उठा सकते हैं, यह सही है। बिली और मैं, और श्रीमान बोसवर्थ। किम्बरली हीरे की खान के अध्यक्ष,... वो वहां सभा में मेरे संचालक थे। और वे हमें वहां पर लेकर गए। और तभी वहां से बाहर... वे उनकी खुदाई करते है लगभग, ओह, धरती के लगभग सत्रह सौ फुट नीचे से। वे बाहर निकलते हैं, जो एक नीला पत्थर होता है, बड़ा नीला, इस नीले पत्थर के जैसे जो आपको यहाँ आस–पास मिलता है। और वहां के मूल निवासी, वे उन्हें सत्रह सौ फीट जमीन के अंदर रखते है, ताकि उन्हें खान से प्राप्त करे, कीमत को बनाये रखने के लिए। आप वहाँ नदी पर जायेगे, वे इसका सैकड़ों मील तक पहरा देते है। दो दस गैलन बाल्टी को ले, उसने कहा, और इसे उठाये, रेत से—से, भरी हुई और यदि आप इसे लेकर घर जा पाते हैं, तो आप करोड़पति बन जायेंगे, वहां इसमें इतने सारे हीरे होंगे।

लेकिन उन्हें इस पर काम करना होगा और उनकी खुदाई करना होगा, उन पर की कीमत को बनाये रखने के लिए।

124 अब, हीरा, जब वो बाहर आता है, तो वह एक बड़ा, चिकना, गोल, जैसे, कांच का टुकड़ा होता है। वहां एक नीला हीरा, काला हीरा, पन्ना, और एक साफ़ हीरा, सफेद हीरा होता है। लेकिन जब सामने आता है... उसके बाद जब इसे तैयार किया जाता है और उपयोग में लाया जाता है, तो उस हीरे के कुछ हिस्से को खोना पड़ता है। और इसे इसके उसमें से उन—उन टुकडो को खोना होगा। छोटे–छोटे टुकडे काटते है, क्योंकि जब ये *इस* तरह सीधे रोशनी में आता हैं, ये इसे जगमगाने को लगाता हैं। काटे जाने से, जो जगमगाने को लगाता है, उसी तरह से इसे काटा जाता है। इसे काटा जाता है, टुकडो को निकाला जाता है, और फिर, जब ऐसा करते है, तो ये इसे जगमगाने को लगाता हैं। और एक हरा प्रकाश छोड़ेगा, दूसरा एक नीला प्रकाश छोड़ेगा, और हो सकता है दूसरा एक, मरकत रंग का प्रकाश, और लाल प्रकाश। और इसमे से अलग–अलग प्रकाश निकलता है, मेघधनुष के रंग के जैसा। वे इसे, "हीरे में आग," कहते हैं।

125 अब, उनमें से हर एक प्रकाश, दानो का प्रतिनिधित्व करते है। लेकिन यही, मसीह केवल वो हीरा है। और वही वो एक था जो आया, और कुचला गया, और घायल किया गया, और काटा गया, जिससे कि वह अपने आप को वापस संसार के लिए एक उजियाले के नाई प्रतिबिंबित कर सके। वही वो सर्वोतम हिरा है।

126 क्या आप कल्पना कर सकते हैं, इससे पहले कि एक पृथ्वी होती, इससे पहले कि कोई प्रकाश होता था, इससे पहले कोई तारा होता था, इससे पहले कुछ भी होता? वहाँ एक उस आत्मा का महान झरना बह रहा है, और इस झरने से सबसे शुद्ध प्रेम आया, क्योंकि वहां इसके लिए उसमें से आने के लिए कुछ भी नहीं था सिवाय प्रेम के। अब, हम, जिसे हम प्रेम कहते हैं, आज दूषित हुआ प्रेम है। लेकिन जैसे ही हमें एक निष्कर्ष मिलता है, या उस प्रेम का जरा सा अंश हमारे अंदर आता है, यह हमारे पूरे विचार को बदल देता है।

127 उसके बाद वहाँ से एक और धारा निकलती है, इस मुख्य झरने से, वो हीरा, और इसे धार्मिकता कहा जाता है, पूर्ण रूप से धार्मिकता। अब, यही

वो कारण है कि हमारे पास व्यवस्था होना था। यही कारण है कि व्यवस्था के पास न्याय को होना है। यदि कोई न्याय व्यवस्था के साथ नहीं जाता है, तो व्यवस्था से कोई भला नहीं होता है। और जब व्यवस्था के द्वारा न्याय को लाया गया, जो मृत्यु को लाता है, और वहां कोई भी नहीं है जो दंड का भुगतान कर सके, सिवाय स्वयं परमेश्वर के। और उसने हमारे मृत्यु के दंड का भगतान किया, और हमारे पापों को अपने ऊपर ले लिया, जिससे कि हम उसमें से होते हुए परमेश्वर की धार्मिकता ठहरें।

128 अब, जब ये महान प्रकाश बाहर निकले, या आत्मा की बड़ी किरणें: प्रेम, शांति, बस वहां यही वो सब है। वहां कोई दुख उठाना नहीं था। वहां कोई घृणा नहीं—नहीं थी, ना ही द्वेष; यह इस झरने में से नहीं आ सकते। ये यहोवा था। वो यहोवा परमेश्वर था। और अब, जैसा कि धर्मज्ञानी इसे कहते हैं, उस में से एक दैविक शरीर निकला, जिसे वचन के अनुसार, बताया गया था, वो "लोगोस," वो लोगोस जो परमेश्वर से बाहर निकला। इसे समझाना मुश्किल है, लेकिन यह परमेश्वर का एक भाग था।

129 अब, यहाँ पर क्या हुआ है। ओह! मुझे क्षमा करना। मैं—मैं—मैं बस इस पर ले लूँगा, मैं ठीक इसे बस ले लेता हूँ जहां मैं इसे पसंद करता हूं। समझे? लोगोस, और यह महान झरना, आत्मा का यह महान झरना जिसका कोई आरंभ या अंत नहीं था; इस महान आत्मा ने सृष्टि में बनाना आरंभ किया, और इसमें से जो लोगोस बाहर आया जो परमेश्वर का पुत्र था। यह उस आत्मा का एकमात्र प्रकट रूप था। और यह एक दैविक शरीर था, जिसका अर्थ होता है एक शरीर, और शरीर जो एक मनुष्य की तरह था।

130 मूसा ने इसे देखा जब यह वहां से होकर गुजरा... चट्टान के पास—पास से। और उसने इसकी ओर देखा, कहा, "यह एक मनुष्य के पिछले हिस्से की तरह दिखाई दिया।"

यह उसी प्रकार का शरीर है जो हमें यहां मरने पर प्राप्त होता है। "यदि यह धरती पर का डेरा सरीखा घर गिराया जाएगा, तो हमारे पास पहले से ही एक है जो प्रतीक्षा रहा है।" यही वह था। और वो दैविक शरीर था जो परमेश्वर का पुत्र था। वो पुत्र, वह लोगोस, देहधारी बना, क्योंकि हमें देह में डाला गया था। और दैविक शरीर, लोगोस, यहाँ हमारे बीच देहधारी बन गया, और यह वास करने के स्थान के अलावा कुछ और नहीं था, क्योंकि

सारा झरना उसी में वास करता था। ओह, क्या आप इसे देखते हैं? वहाँ है। वही वो एक था, जो, उसमें...

131 यहाँ पर देखे। आइए अब जल्दी से इब्रानियों की ओर जायेंगे, 7वां अध्याय, बस कुछ अनुग्रह के—के समय के लिए, परमेश्वर चाहता है। आइए देखें कि यह यहां किस तरह दिखता है। अब्राहम!

हमारे पास कितना समय है? हमारे पास दस मिनट है। तो ठीक है। हम इसे ले लेंगे, उसके बाद हम इसे अगले से, अगले, या रविवार को समाप्त करेंगे, प्रभु की इच्छा हुई तो।

132 अब्राहम राजा को मार कर लौट रहा था।

क्योंकि यह मलिकिसिदक, शालेम का राजा,...

कितने लोग जानते हैं कि शालेम कहाँ, कौन, क्या था? यरुशलेम।

... शालेम का राजा, और परमप्रधान परमेश्वर का राजकुमार, जब अब्राहम राजाओं को मार कर लौटा जाता था, तो इसी ने उस से भेंट करके उसे आशीष दी;

सुनना।

इसी को अब्राहम ने सब वस्तुओं का दसवां अंश भी दिया; यह पहिले अपने नाम के अर्थ के अनुसार, वो *धर्म का राजा,... उसके बाद शालेम का राजा, अर्थात जो कि शांति का राजा है;*

जिस का न पिता, न माता, न वंशावली है, जिस के न दिनों का आदि है और न जीवन का अन्त *है;...*

133 एक राजा शालेम से नीचे उतर आया, और अब्राहम से मिला, जो राजाओं को मार कर आ रहा था। और इस राजा का न कोई पिता था, न कोई माता थी, न दिनों का आरंभ था और न ही जीवन का अंत था। अब्राहम किससे मिला? अब सोचे। उसका कोई पिता नहीं था; उसकी कोई माँ नहीं थी। उसका कभी भी ऐसा समय नहीं था कि उसकी शुरूवात हुई थी, और ना ही उसके पास कभी भी ऐसा समय है जब वो समाप्त हो जाएगा, तो शालेम के उसी राजा को आज भी होना है। आमीन। आपने इसे देखा? ये वो दैविक शरीर था वो परमेश्वर का पुत्र था। कौन सा शालेम? वो यरूशलेम जो ऊपर है, वह अब्राहम, आशीषित होकर, खोज रहा था, ढूंढ रहा था, उस नगर को तलाश करने की कोशिश कर रहा था जिसका बनाने

वाला और रचने वाला परमेश्वर था। वह भेडो की खालो और बकरियों की खालों को ओढ़े हुए हर कहीं भटकता रहा, नि:सहाय, भटक रहा था, और एक ऐसे नगर की तलाश कर रहा था जिसका बनाने वाला और रचने वाला परमेश्वर था। और उसने नीचे आते हुए उस शालेम के राजा से भेंट की, और उस ने उसे सारे वस्तुओ का दसवां अंश दिया। आमीन। यह वही है। ओह, भाई ग्राहम, वो वही था। यह वही था।

अब्राहम ने उसे फिर से देखा। एक दिन वह तंबू में बैठा हुआ था। उसने वहां आते हुए देखा, और उसने तीन पुरुषो को आते हुए देखा।

134 आप जानते हैं, वहां एक मसीही के विषय में बस कुछ तो है, कि वह आत्मा को जानता है जब वो इसे देखता है। जब वह... वह बस इसे जानता है। इसके बारे में बस कुछ तो आत्मिक है। आत्मिक बातें आत्मिक रूप से परखी जाती हैं। आप जानते है। जी हाँ, वह बस इसे बता सकता है, यदि वह वास्तव में जन्मा है। "मेरी भेड़ें मेरी आवाज को जानती हैं।"

135 और वो बस जानता था कि वहां कुछ तो था। वह बाहर की ओर भागा और उसने कहा, "अंदर आये, मेरे प्रभु। बैठ जाये। थोड़ा समय रुके। मैं रोटी के कुछ निवाले को लेकर और आपके हाथ में रखूंगा। मैं आपके पैर धोऊँगा। अपने आप को विश्राम दीजिये, उसके बाद अपनी यात्रा में आगे निकले, क्योंकि आप—आप मुझसे भेंट करने आए है।" वहां उस बंजर भूमि में, खराब रास्तो पर चलते हुए, प्रभु के तिरस्कार किये हुए लोगों के साथ।

जब कि, लूत धन–सम्पति में जी रहा था, जो वहां नीचे उसका भतीजा था, लेकिन वह पाप में जी रहा था। यही है सबसे अधिक धन–दौलत जिसे उत्पन्न करती है वो पाप है।

136 सो अब्राहम ने उन्हें वहां आगे लाया, जब उसने थोड़ा सा पानी लिया और उनके पांव धोए। और वह दौड़कर बछड़े के पास गया, और एक झुण्ड के अंदर से मोटा बछड़ा लिया, और उसे मारा; कांट–छांट करने के लिए एक सेवक को दिया। और कहा, "सारा, अपने आटे को गूंधो।"

आप जानते हैं कि गूंधना क्या होता है, इसका मतलब है। आप जानते होंगे, माँ के पास एक पुराना, एक प्रकार के लकड़ी का गोल टुकडे के जैसा होता था, उसके पास आटा रखने का वो—वो लकड़ी का ढोलनुमा गोल डब्बा होता था। क्या आपने कभी उनमें से एक को छन्नी के साथ देखा है?

और उसमें आपके पास एक प्रकार लकड़ी का गोल टुकड़ा होता था, आप आटे को छानते, आप जानते होंगे; और *इस* तरह भारी हो जाता, और इसमें से होकर छानते, ऐसे। मैंने माँ को ऐसा करते देखा है, बहुत सी बार, लकड़ी का गोल टुकड़ा, जो एक छोटी सी गोल चीज़ होती है जिस पर एक छोटी तार की जाली लगी होती है। वह उस आटे को उठाती है और उसे *इस* तरह से छानती है, आप जानते होंगे, और इसे आगे और पीछे से थपथपाती हैं, *इस* तरह से। फिर लकड़ी का गोल टुकड़े को लेंकर और इसे *इस* तरह हर तरफ से बटोरते है, ताकि यह सब नीचे आ जाए। और यही है जब हमें नीचे से पुराने समय की पिसाई की चक्की में अपने आटे को लेते है; और बडी पुरानी गड़गड़ करती हुई, आप जानते होंगे, भारी होती है, जो असली मकई की रोटी बनाती है। आप उस पर पूरे दिन चक्की से पीस सकते है।

137 तो फिर, कहा, "थोड़ा जल्दी से आटा गूंथ लो। और कुछ रोटीयां यहीं चूल्हे पर जल्दी से बना लो।" और उन्होंने गाय से दूध निकाला और कुछ दूध लिया। और उन्होंने लेकर, उसको मंथन किया, और थोड़ा मक्खन निकाला। उसके बाद उन्होंने जाकर बछड़े को मारा, और कुछ मटन को लिया, और उन्होंने मटन को तला। छाछ को लिया, मकई की रोटी, और गर्म रोटियों पर डालने के लिए उन्होंने कुछ मक्खन लिया। ओह, यह सचमुच अच्छा है। और उन्होंने यह सब वहां पर लगा दिया। और उस ने उसे लिया, और इन तीन मनुष्यों के सामने रख दिया।

138 और जब वे खा रहे थे, तब वे सदोम की ओर लगातार देखने लगे। और कुछ देर बाद, वे उठे और वहां से जाने लगे। और उसने कहा, "अब्राहम... " कहा, "तुम इसे मुझसे छुपा कर नहीं रखोगे।"

139 "मैं जो करने जा रहा हूं, उससे मैं तुमसे छुपा कर नहीं रख सकता। मैं वहाँ नीचे जा रहा हूँ। सदोम के पाप मेरे कान में सुनाई पड़े हैं।"

वो मनुष्य कौन था? उसके सब वस्त्रों पर धूल लगी हुई थी, और वहां बैठा हुआ बछड़े का मांस खा रहा था, और गाय का दूध पी रहा था, और कुछ मकई की बनी रोटी खा रहा था, और कुछ मक्खन। यह विचित्र सा व्यक्ति कौन है? उनमें से दो, या तीन, वहाँ बैठे हुए थे। उसके सारे कपड़ों पर धूल लगी हुई थी। ओह, जी हां, "हम दूर देश से हैं।" हाँ, बहुत ही दूर। और इसलिए उसने कहा... तो ठीक है, वे कौन थे?

140 उसने कहा, "मैं अब्राहम से छिपा कर नहीं रख सकता, यह देखते हुए कि वह धरती का वारिस है।" आमीन। "मैं अपने रहस्यों को प्रकट करता हूं," दुसरे शब्दों में, "उनके लिए जो धरती के वारिस हैं।" यही है जहां आज कलीसिया को होना चाहिए। ये सही है। परमेश्वर के रहस्यों को लेकर, जानना अपने आप को कैसे संभालना है, और कार्य करना है, और क्या करना है, और कैसे चलना है, और कैसे जीना है। हम धरती पर के वारिस हैं। सही है। वो इसे आपके लिए प्रकट करता है, क्योंकि वह कुछ भी पीछे ना रख छोड़ेगा। इसलिए हम इन चीजों को पूरा होते हुए देख रहे हैं।

संसार कहता है, "आह, यह कट्टरपंथीयों का एक झुण्ड है।" उन्हें यह कहने दो। धरती का वारिस इन बातों को जानता है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

... क्योंकि वे परमेश्वर की सन्तान कहलाएंगे।

धन्य हैं वे जो *नम्र हैं: क्योंकि वे धरती के अधिकारी होंगे।*

वह अपने भेदों से उन्हें ज्ञात करवाता है, उन्हें प्रकट करता है कि उन्हें दिखाता है क्या करना है और कैसे जीना है, संसार की चीजो को भूलते हुए; इस वर्तमान संसार में, पवित्रता से चलते हुए और पवित्रता में जीते हुए, उसके साथ–साथ चलते हुए। संसार को कहने दो जो वो कहना चाहते हैं।

141 तो उसने कहा, "मैं अब्राहम से इस रहस्य को छिपा कर नहीं रख सकता, क्योंकि यह देखते हुए कि वह धरती का वारिस है। लेकिन," उसने कहा, "मैं सदोम को नष्ट करने के लिए नीचे जा रहा हूँ। मैं नीचे जा रहा हूँ।"

142 "आप क्या करने जा रहे हैं, श्रीमान? आप कहाँ से हैं? यह सब किसके विषय में है? "

143 आओ पता करेगे, उसने कहा, "और एक और बात, अब्राहम, मेरे द्वारा दिए गये इस प्रतिज्ञा के लिए तुमने पच्चीस वर्ष इंतजार किया है। तुमने इस बालक के लिए सारे कपड़ो को और उसे—उसे बांधकर और हर एक चीज को पच्चीस वर्ष पहले तैयार करके रख दिया। तुम अब भी मेरे लिए प्रतीक्षा करते आ रहे हो। अब मैं तुमसे भेंट करने जा रहा हूं, जीवन

के समय के अनुसार, जीवन के समय में, अगले महीने मैं तुम्हारे साथ होऊंगा।"

144 और सारा, पीछे तम्बू में थी। और इस मनुष्य ने अब्राहम से *इस* प्रकार बातें करते हुए तम्बू की ओर पीठ की हुई थी। और सारा ने ऐसा किया, "हुंह!"

145 उसने कहा, "सारा क्यों हंसी?" हो–हो–हो! इसके बारे में क्या? यह सब एक मनो की बात का पढना था, क्या ऐसा नहीं थाा? "सारा क्यों हंसी?"

सारा ने कहा, "नहीं, मैं कभी नहीं हँसी।"

146 कहा, "ओह, हाँ, तुम हंसी।" वह डर गयी थी। वह कांप रही थी। वह कौन था, जो जान सकता था कि वह तंबू में पीछे क्या कर रही थी? यह वही परमेश्वर है जो आज हमारे साथ है। वही एक। वह इसके बारे में सब जानता है। देखा? वह बस इसे प्रकट करता है जिसकी आपको आवश्यकता होती है। देखा?

147 "तुम किस बात पर हंसती हो?" देखो, उसकी पीठ इसकी ओर हो गयी। बाइबल ने यह कहा कि, कि, "उसकी पीठ तंबू की ओर हो गई।" लेकिन, वह इसे जानता था। "वह वहाँ पीछे *यह* क्या कर रही है?" आप देखते हैं? सो, उसने कहा, "मैं तुमसे भेंट करूंगा।"

148 यह विचित्र व्यक्ति कौन है? आप जानते है क्या हुआ? वह सीधे वहां से चला गया और लुप्त हो गया। और बाइबल ने कहा कि वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर था, यहोवा, वो महान झरना, वो दैविक शरीर, वो लोगोस।

149 किसी प्रचारक ने मुझसे कुछ समय पहले कहा, "भाई ब्रंहम, आप असल में ऐसा नहीं सोचते होंगे कि वह परमेश्वर था, क्या आप सोचेंगे?"

150 मैंने कहा, "बाइबल ने कहा कि यह परमेश्वर था, एलोहीम।" जो, वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर था, एल शद्दाई, यह सही है, शक्ति को देने वाला, संतुष्ट करने वाला। आमीन।

151 ओह, मैं धार्मिक महसूस करता हूँ! इस पर सोचे। यहाँ वो है। अब मैं आपको दिखाऊंगा कि वह यहाँ कौन है, उसके बाद आप देखेंगे कि पुत्र कौन है। वो यीशु था, इससे पहले उसका मनुष्य नाम था, "यीशु।"

152 उस दिन वहां झरने पर खड़ा हुआ था। और वे सब पी रहे थे, आप जानते है, और, "जल का होना जो जंगल में था," और इसी तरह की चीजें। उसने कहा... वे मन्ना और चीजों को खा रहे थे। उन्होंने कहा, "हमारे बाप–दादाओ ने जंगल में चालीस वर्षों तक मन्ना खाया।"

153 उसने कहा, "और वे, हर एक, मर गए।" कहा, "मैं जीवन की रोटी हूँ जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से उतरी है। वो जो इस रोटी को खाता है वह कभी भी नहीं मरेगा।"

154 कहा, "तो ठीक है, हमारे पूर्व पिताओं ने आत्मा से पीया, उस एक आत्मिक चट्टान से जो जंगल में थी, जो उनके साथ–साथ थी।"

155 उसने कहा, "मैं वो चट्टान हूं।" महिमा! संत यूहन्ना, 6वा अध्याय।

"क्यों," उन्होंने कहा, "क्या?"

"हां। ये सही बात है।"

156 "क्योंकि," उसने कहा, "तुम... तुम यहाँ तक पचास वर्ष के भी नहीं हो।" अवश्य ही, उसके काम ने उसे थोड़ा बूढ़ा दिखने को लगाया, लेकिन वो केवल तीस वर्ष का ही था। कहा, "तुम पचास वर्ष से अधिक उम्र के मनुष्य नहीं हो, और तुम कहते हो कि तुमने अब्राहम को देखा है, जिसे मरे हुए आठ या नौ सौ वर्ष हो गए है? अब हम समझते हैं कि तुम एक शैतान हो।"

157 उसने कहा, "इससे पहले अब्राहम था, **मैं हूँ**।" वहां वो है। वो **मैं हूँ** कौन था? सारी पीढ़ी के लिए एक चिरस्थायी नाम। वह था... वो जलती हुई झाड़ी में वो अग्नि का स्तंभ, "**मैं जो हूँ सो हूँ**।" वहाँ वह था, वो दैविक शरीर उसने यहाँ बनाया, जिसे परमेश्वर का पुत्र, **मैं हूँ**, यहोवा बुलाया गया।

158 थोमा ने कहा, "प्रभु, हमें पिता को दिखा और यह हमें संतुष्ट करेगा।"

159 कहा, "मैं तुम्हारे साथ इतने लंबे समय से हूँ, तुम मुझे नहीं जानते?" कहा, "जब तुम मुझे देखते हो तो तुम पिता को देखते हो। क्यों कहते हो, 'हमें तू पिता को दिखा दे'? मैं और पिता एक हैं। मेरा पिता मुझ में रहता हैं। मैं बस एक तम्बू हूं जिसे पुत्र कहा जाता है। पिता मुझमें वास करता हैं। ये मैं नहीं जो काम करता हूं, ये तो मेरा पिता है जो मुझ में वास करता है। वो काम करता है, मैं नहीं।"

160 अब, वहां पीछे खड़े होकर, मूसा ने उसे फिर से देखा, उसके पीछे के भाग को देखा, कहा, "एक मनुष्य की पीठ की तरह दिखाई दी," लोगोस जो परमेश्वर में से निकला।

161 तब क्या हुआ? यह परमेश्वर था। और कारण कि वह लोगोस से देहधारी बन गया... क्या... ? आप कैसे... ? उस का क्या हुआ? उससे पांच मिनट पहले, वह एक... वो लोगोस था। लेकिन उसने क्या किया? वो तब वहां पर पहुंचा...

162 अब, हमारे शरीर धरती के सोलह विभिन्न तत्वों से बने हैं। हम यह जानते हैं। यह पोटाश में से बना है, और—और कुछ—और कुछ कैल्शियम, और—और पेट्रोलियम, और लौकिक प्रकाश, और अणु, और इत्यादि। सभी एक साथ इकट्ठा होकर, और इस शरीर को बनाते हैं, जो इस धरती की मिट्टी से आता है। आप खाना खाते हैं। जैसे ही आप खाना खाते हैं, वह बदल जाता है... मिट्टी से, और यह मिट्टी से आता है, और यह बस—बस ऐसे ही आगे चलता रहता है। आपकी देह, जहाँ तक आपकी जो देह है, घोड़े से, या गाय से, या किसी और पशु से भिन्न नहीं है। यह अब भी सिर्फ देह ही है।

163 और, लड़के, तू देह की महिमा करता है; लेकिन उस आत्मा के पास वहां उसमें प्राण होता है, मेरे भाई। ये सही है। लेकिन तेरी देह पशु के जैसे धरती की मात्र मिट्टी ही है। आपकी देह एक जानवर की देह से ज्यादा कुछ नहीं है। और यदि आप शरीर और उस चीजो की अभिलाषा करते हो जो आप देखते हो, स्त्री की लालसा, और इन सब भिन्न–भिन्न चीजो की अभिलाषा, यह अब भी जानवर ही है। ये सही है। ये सही है। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। परमेश्वर का आत्मा तुम्हारी अगुवाई करेगा और तुम्हें उससे भी ऊंचे समतल भूमि पर रखेगा। यह बिल्कुल सही है।

164 अब, और यहाँ, यह महान दैविक शरीर वहाँ खड़ा हुआ है। जो... वो महान यहोवा परमेश्वर, आप जानते हैं कि उसने क्या कहा? वह तब वहां पर पहुंचा और मुट्ठी भर अणु को लिया, थोड़ा सा प्रकाश लिया, और इसे *इस* तरह से इसमें डाला, आगे बढा, "व्यूह," एक शरीर, और बस उसमें कदम रखा। बस ऐसा ही है।

165 कहा, "यहाँ आओ, जिब्रायेल," वह महान प्रधानदूत। आगे बढा, "व्यूह।" "*उस* में कदम रखो।"

166 "यहाँ आओ, मिकायेल," वो दूत जो उसकी दाहिनी ओर था। "व्यूह।" क्योंकि... "तुम *उस* में कदम रखो।"

167 परमेश्वर और दो दूत यहां मनुष्य देह में चले गए, और एक गाय के दूध को पिया, दूध में से मक्खन को खाया, और अन्न की रोटी खायी, और बछड़े के मांस को खाया। दो दूत और परमेश्वर। बाइबल ऐसा कहता है। यही मलिकिसिदक है, जिससे अब्राहम ने भेंट की, जब राजाओं को मार कर आ रहा था। यही परमेश्वर का पुत्र है।

168 आगे बढ़ेंगे, यहाँ इब्रानियों, 7 वें में कहा, "लेकिन परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप ठहरा।" वहां है वो। उसने सारी चीजों को उसी के द्वारा बनाया। और वह सीधे वहां पर चला गया, और बस उस मिट्टी को वापस फिर से मिट्टी में बदल दिया, और सीधे वापस महिमा में चला गया।

169 और वे दूत, जैसे ही उन्होंने लूत और श्रीमती लूत को छुड़ाया, और वो पीछे मुड़कर देखती रही। उसने कहा, उन्हें बताया कि फिर से ऐसा न करना। और उन्होंने सीधे वापस परमेश्वर की उपस्थिति के अंदर में—में कदम रखा।

170 अब, इस महान विश्वास में हमारे पास क्या ही बड़ी आशा हैं कि हम आज रात सेवा कर रहे हैं! वो जीवित परमेश्वर, यहोवा, अग्नि का खंभा, हमारे साथ है। खुद को सामर्थ, और क्रिया में दिखाता है, और ऊँचा करते... उन्हें उसी की तस्वीर लेने दो, उसी यहोवा की। परमेश्वर का पुत्र जो परमेश्वर से आया था, परमेश्वर के पास वापस चला गया, और हमेशा के लिए उसकी कलीसिया में रहता है। वहां है वो।

171 उसके पास उसकी किताब में हमारे नाम हैं, अपनी खुद की शपथ के साथ, क्योंकि उससे बड़ा कोई नहीं है जिसकी वह शपथ ले सके, कि वह हमें अंतिम दिन में जिलाएगा। "वह जो मेरा मांस खाता है, और मेरा लहू पीता है, उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊँगा। जो मेरे पास आता है, उसे मैं किसी भी तरह से बाहर न करूंगा। वह जो मेरे वचन को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वह कभी दण्ड में नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चूका है।"

172 वही वो एक है जो मुट्ठी भर कैल्शियम और पोटाश को तब आगे बढ़कर और उठा सकता है, आगे बढता है, "व्यूह," और वहाँ पर आप फिर से

होते है। और मेरा नाम उसकी किताब पर है। हो–हो! हो–हो–हो–हो! मैं क्यों परवाह करूँ कि किस तरह से मेरे कंधे कितने झुक रहे हैं, मेरी उम्र कितनी हो गयी है? बिल्कुल भी नहीं। जरा सी भी चिंता नहीं।

173 भाई माइक, इन दिनों में से एक, आपका हृदय आशीषित हो, भाई, जब वह बड़ी तुरही आएगी, जो आवाज़ करेगी, और वो यूसुफ आगे कदम को रखेगा। हाल्लेलुय्या! वह कहेगा, "बच्चो!" "व्यूह।" वहाँ हम उसके समानता में बनाए जाएंगे; हमेशा के लिए जवान, बुढ़ापा जा चूका है; बीमारीयां, परेशानीयां, दुख ख़त्म हो चुके हैं। जीवित परमेश्वर की महिमा हो!

174 यही है जिसके जरिये से वो आज बोल रहा है, जो उसका पुत्र है। "विविध समयों और भिन्न–भिन्न जरियों से उसने भविष्यद्वक्ता के द्वारा बात की, लेकिन इस अंतिम दिन में अपने पुत्र, मसीह यीशु के जरिये से।" वह हर एक उस मनुष्य के हृदय से बात करता है जिसे उसने बुलाया है। यदि आपने कभी उसकी आवाज़ को महसूस किया है या उसे अपने हृदय पर दस्तक देते सुना है, तो कृपया इससे मुंह को ना मोड़ें।

आइए हम प्रार्थना करें।

175 स्वर्गीय पिता, आज रात, जैसा कि हम यह जानकर बहुत खुश हैं, इस इब्रानी के पत्री के आरंभ पर, किस तरह से पौलुस सीधे सुसमाचारो में वापस पीछे चला गया। वो बस इसे सुनने–कहने पर नहीं लेता है या एक अनुभव के ऊपर। वो हमसे चाहता था कि हम जानें कि सत्य क्या है। और वह सीधे सुसमाचार में वापस चला गया, और वह... पुराने नियम में वापस गया, वो सुसमाचार जो उन्हें सुनाया गया था। और उसने पुराने नियम में से होते हुए, सारी प्रतिछाया और नमूनो को देखा। इसलिए आज रात हमारे पास इब्रानियों की यह महान पुस्तक है। और हम इसे देखते हैं, प्रभु, और हम इसे पसंद करते हैं। और युगों में से होते हुए, इसे जलाया गया है, इसे तितर–बितर किया गया है, इसे मिटाने की कोशिश की गई है, लेकिन वह उसी पर लहराती बढ़ रही है। क्योंकि आपने कहा है, "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।"

176 तब संदेहवादी कहेगा, "तो ठीक है, आपने कहा, 'पौलुस ने इसे लिखा।'" पौलुस ने नहीं, लेकिन परमेश्वर जो पौलुस में था; वह रचनात्मक जीवन जो पौलुस के अंदर था।

177 बस उसी तरह दाऊद में था, जब उसने कहा, "मैं अपने पवित्र जन को नहीं सड़ने दूंगा, ना ही उसके प्राण को अद्योलोक में छोडूगा।" और परमेश्वर के पुत्र ने उन वचनों को उस भविष्यद्वक्ता से लिया, और सीधे अधोलोक की गोद में चला गया। और कहा, "इस भवन को ढा दो, और मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूंगा।" और उसने ऐसा किया, क्योंकि परमेश्वर का वचन विफल नहीं हो सकता; एक बिंदु मात्र विफल नहीं हो सकता। हम इसके लिए परमेश्वर को कैसे धन्यवाद करे, इस महान ऊरीम तुम्मीम के लिए, और इसे जानना कि आज रात हमारे अनुभव, प्रभु, ठीक यहाँ इस बाइबल पर जगमगा रहे हैं! हमने नया जन्म पाया है, हमारे पास पवित्र आत्मा है।

178 प्रिय परमेश्वर, यदि आज रात यहां कोई पुरुष या महिला है, लड़का या लड़की, जो इसके कभी भी गवाह नहीं हुए है, यदि वहां कोई जीवन नहीं है तो वे भला कैसे ऊपर आ सकते हैं? ओह, वे कहते हैं, "मेरे पास जीवन है।"

179 लेकिन बाइबल ने कहा, "वह जो सुखविलास में जीती है वो जीवित रहते हुए मरी हुई है। तुम कहते हो कि तुम्हारे पास जीवन है, लेकिन तुम मरे हुए हो। तुम दावा करते हो," बाइबिल ने कहा, "कि तुम्हारे पास जीवन है, लेकिन तुम मरे हुए हो। तू कहता है कि तू धनी है और तुझे किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं; लेकिन यह नहीं जानते कि तुम अभागे और दरिद्र, और नंगे हो, और अंधे हो, और इसे नहीं जानते।" और आज रात कलीसियाओं की यही स्थिति है, प्रभु। वे किस तरह से महान, मूल्यवान चीजों से चुक गए हैं।

यह जानना कि महान यहोवा परमेश्वर, जो उत्पन्न कर सकता है केवल... उसने कहा, "मेरे लिए उन छोटी मछलीयों को लाओ।" उसे मछली को लेना था कि—कि इसके साथ कुछ तो करे। दिखा रहा था, कि पुनरुत्थान कुछ तो होना था, उसके साथ कुछ तो करना था। उसने न केवल मछली को बनाया, बल्कि उसने पकी हुई मछली और रोटी बनाई। और उस ने पांच छोटी मछलियों से पांच हजार को खिलाया... छोटी रोटियों और दो मछलियों से। हे प्रभु, यह उसके हाथो में था, और वह सृष्टिकर्ता था। लेकिन उसके हाथ में ऐसा करने के लिए कुछ तो होना था।

परमेश्वर, होने पाए हम आज रात अपने आप को उसके हाथों में रखे, और कहे, "हे परमेश्वर, मैं जैसा हूँ वैसा ही मुझे ले लीजिये। और जब मेरे जीवन का अन्त यहाँ आ जाए, तो मैं इसी आशा के साथ जाऊं जो मेरे भीतर थी, यह जानते हुए कि मैंने फिर से जन्म लिया है, और आपकी आत्मा ने मुझ में साक्षी दी है, और मेरी आत्मा के साथ गवाही दी है, कि मैं आपका पुत्र या आपकी पुत्री हूं।" और उस अंतिम दिन में, आप उन्हें जिलाएंगे। इसे प्रदान करे, पिता।

180 और जब हमने सिरो को झुकाया है, क्या वहां कोई एक होगा अपने हाथ को उठाकर, कहे, "मुझे प्रार्थना में याद करना, भाई ब्रंहम। मैं चाहता हूं कि परमेश्वर मुझे जाने जब... इससे पहले कि मैं इस धरती को छोडूं, कि वह मुझे इतना अधिक जान जाएगा कि वह मेरे नाम को पुकारेगा। मैं उत्तर दूंगा।" प्रभु आपको आशीष दे पुत्र। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको; और आपको, महिला। कोई और है? केवल अपने हाथ को उठाये। कहे, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम।" यही है जो हम करेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे, नौजवान महिला। यह अच्छा है।

181 अब, जबकि आपके सिर झुके हुए है, प्रार्थना करते हुए, मैं इस गीत का एक पद गाने जा रहा हूं:

इस संसार के व्यर्थ धन का लोभ मत करो,
जो बहुत तेजी से सड़ जाता है,
अपनी आशाओ को अनन्त चीजो पर बनाये,
वे कभी नहीं टलेंगी!

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

182 जब वो अब बजा रही है, और आपके सिर झुके हुए है, तो क्या आप अपने हाथ को ऊपर करके, कहेंगे, "हाँ, प्रभु, यहाँ मेरा हाथ है"? यह क्या करेगा? यह आपकी आत्मा को दिखाएगा, आप में, एक निर्णय को लिया गया है। "मुझे आपका हाथ चाहिए, प्रभु।" परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटी लड़की। "मैं अपने हाथ को उठाऊंगा।" परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटी लड़की, यहाँ नीचे। यह अच्छी बात है, प्रिय। परमेश्वर, आप जानते

हैं, आपको ऐसा करते हुए देखकर ख़ुशी होती है। "छोटे बच्चों को मेरे पास आने से मना मत करो।"

183 "मैं चाहता हूं, परमेश्वर, आप मेरा हाथ थाम ले। और उस दिन मैं आपके हाथ में रहना चाहता हूं; कि, जब आप बुलाएंगे, मैं आ जाऊंगा।" जी हाँ, जैसे लाजरस था। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है,
यदि परमेश्वर के प्रति आप सच्चे रहे हो,
महिमा में आपका घर सुंदर और प्रकाशमान है,
आपका उत्साहित हुआ प्राण दृष्टि करेगा।

तो फिर अब आप क्या करेंगे?

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

184 स्वर्गीय पिता, इस छोटी सी सभा में, आज रात, बहुत से हाथ ऊपर उठे हुए है, कि वे आज रात, आपके ना बदलने वाले, अनन्त हाथ को पकड़ना चाहते हैं। यह जानते हुए कि आपके लिए समर्पित क्या है... आपने कहा, "मैं... वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है वे मेरे पास आयेंगे, और उनमें से कोई भी नहीं खोयेगा। और मैं उन्हें अन्तिम दिन में जिला उठाऊँगा। कभी नाश नहीं हो सकता, कभी न्याय में नहीं आ सकता, लेकिन उसके पास अनन्त, अनन्त जीवन होगा।" और वहां केवल एक ही अनन्त जीवन है। वह केवल परमेश्वर से आता है। यह परमेश्वर है। और हम परमेश्वर के भाग बन जाते हैं, इतना अधिक कि हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां होते हैं। जब हम में परमेश्वर की आत्मा होती है, तो हम परमेश्वर की नाई सोचते हैं। हम धार्मिकता और पवित्रता के बारे में सोचते हैं, और हम उसे प्रसन्न करने के लिए जीने की कोशिश करते हैं।

185 प्रदान करे, प्रभु, कि उस प्रकार का जीवन हर उस व्यक्ति में प्रवेश करे जिसने अपने हाथ को उठाया। और जिन लोगों को हाथ उठाना चाहिए था, और उन्होंने नहीं उठाया, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके साथ हो। इसे प्रदान करे, पिता। और जब यात्रा समाप्त हो जाती है, जीवन समाप्त हो जाता है, होने पाए हम उस दिन उसके साथ शांति में प्रवेश करे, जहां हम

कभी भी बूढ़े नहीं होंगे, कभी भी बीमार नहीं होंगे, ना ही कभी कोई परेशानी होगी। तब तक, हमें आनंद से भरा हुआ और खुश रखें, उसकी स्तुति करते हुए, क्योंकि हम इसे उसके नाम में मांगते हैं। आमीन।

186 आप सभी विश्वासी जन, अब आइये हम बस हमारे हाथ को उठाएं और उस समूहगान को गाएं।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

187 अब आइये इसे गुनगुनाते हैं। जब कि आप ऐसा गा रहे है, आपके आसपास, आप कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे, पड़ोसी।" अपने पास में बैठे किसी व्यक्ति से हाथ मिलाएं। "परमेश्वर आपको आशीष दे।" अब दोनों ओर। दोनों ओर हाथ को मिलाएं। "परमेश्वर आपको आशीष दे, पड़ोसी। परमेश्वर आपके साथ हो।" "अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये।"

डॉक्, मैं जानता हूँ कि यह वहाँ है, भाई। मैं जानता हूँ कि बहुत पहले आप वहाँ रहे हैं, भाई नेविल।

जब यह यात्रा पूरी होती है,

ऐसा होने जा रहा है, इन दिनों में से एक दिन।

यदि परमेश्वर के प्रति हम सच्चे रहे हैं,

हम वहाँ पर भाई सेवार्ड को देखेंगे।

प्रकाशमान और प्रकाशमान, महिमा में तुम्हारा घर,
आपका अति उत्साहित हुआ प्राण दृष्टि करेगा।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

मैं संदेश के बाद ऐसी आराधना को पसंद करता हूँ।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

समय तेज रूपांतरण से भरा हुआ है,
अटल धरती का कुछ भी नहीं बना रहेगा,
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
थाम...

आइए हम उसकी एक झलक को देखें, उस एक अनदेखे को जो अब हमारे बीच में है, और बस उसकी आराधना करें जैसे हम गाते हैं।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!
अपनी आशाओ को अनन्त चीज़ों पर बनाये,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहें!

शांति! शांति! अद्भुत शांति,

अब उसकी आराधना करे।

नीचे आते हुए...

संदेश पूरा हुआ है। यह आराधना है।

हमारी आत्मा पर हमेशा के लिए मंडराए, मैं प्रार्थना करता हूँ,
प्रेम की अथाह लहरों में।

केवल उस में नहा लो।

शांति! शांति! अद्भुत शांति,
नीचे आते हुए...

वह महान झरना, यह खुल रहा है।

... ऊपर;
हमारी आत्मा पर हमेशा के लिए मंडराए, मैं प्रार्थना करता हूँ,
प्रेम की अथाह लहरों में।

क्या यह तब कुछ नहीं करता है?

... अद्भुत शांति,
ऊपर हमारे पिता से नीचे आते हुए;
हमारी आत्मा पर हमेशा के लिए मंडराए, मैं प्रार्थना
करता हूँ,
प्रेम की अथाह लहरों में।

क्या वहां इसके बारे में कुछ नहीं है, बस भरपूर और मधुर?

188 सोचता हूँ कि क्या कोई बीमार व्यक्ति अभिषेक और प्रार्थना करवाना चाहता है। यदि वहाँ है, तो बस अपने स्थान पर चले जाये। यह वहाँ पर व्हील चेयर पर बैठी महिला है? बस उसे ऐसे ही रहने दे। मैं आकर, उसके लिए प्रार्थना करूंगा। उसे कुर्सी से उठना नहीं होगा। कोई और है?

ओह, क्या आप सभा के इस भाग से प्रेम नहीं करते? कितने लोग महसूस करते हैं, जो बस जानते हैं कि परमेश्वर की उपस्थिति यहाँ पर है? यही है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूं। वही... आपको बस ऐसा महसूस होता है... कितने लोगों को ऐसा महसूस होता है कि आप बस चिल्ला सकते हैं? अब आइये हम बस देखे। बस ऐसा महसूस होता है कि आप में कुछ तो है जो चिल्लाना चाहता है। समझे?

ये शांति है! शांति! अद्भुत शांति,
ऊपर हमारे पिता से नीचे आते हुए;
हमारी आत्मा पर हमेशा के लिए मंडराए, मैं प्रार्थना
करता हूँ,
प्रेम की अथाह लहरों में।

मुझ पर चमके,

189 जब हम आराधना में हैं, हम अब बीमारों का अभिषेक करने जा रहे हैं, और उनके लिए प्रार्थना करेंगे। क्या आप सीधे इस तरफ नहीं आयेगी, महिला?

190 इसका क्या मतलब होता है? "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी।" हर एक जन अब प्रार्थना में रहे, बस उस गीत को गुनगुनाएं। इस पर सोचे यीशु बीमारों को चंगा कर रहा है।

बहन का तेल से अभिषेक करें... ? ...

इब्रानियों, अध्याय एक HIN57-0821

(Hebrews, Chapter One)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 21 अगस्त, 1957 को, ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविल, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org